लखनऊ

रविवार, 17 मई, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 261

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"जिस दिन पढ़ाई बोझ नहीं, सपना लगने लगे उस दिन सफलता आपके कदम चूमने लगेगी।"

TODAY WEATHER

DAY 42° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

उत्तर प्रदेश के कन्नौज में प्रसाद में ऐसा क्या था? सत्यनारायण कथा के बाद 62 लोग अस्पताल में भर्ती

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले में एक धार्मिक सभा में उस समय चिंताजनक स्थिति उत्पन्न हो गई जब सत्यनारायण कथा समारोह के दौरान वितरित प्रसाद के सेवन से कथित तौर पर 62 लोग बीमार पड़ गए। यह घटना सिमुपुर गांव में मुन्ना लाल कश्यप के आवास पर घटी, जहां शुक्रवार की रात श्रद्धालु धार्मिक आयोजन के लिए एकत्रित हुए थे। अधिकारियों के अनुसार, प्रसाद में पंचामृत और पंजीरी शामिल थे, जो समारोह में उपस्थित लोगों को परोसे गए थे। प्रसाद ग्रहण करने के कुछ घंटों बाद, देर रात कई लोगों ने पेट दर्द, उल्टी और कमजोरी जैसी स्वास्थ्य समस्याओं की शिकायत करना शुरू कर दिया। परिवार के सदस्यों ने शुरू में प्रभावित लोगों को तत्काल इलाज के लिए पास के निजी क्लीनिकों में भर्ती कराया। हालांकि, मरीजों की संख्या बढ़ने और लक्षण गंभीर होने पर, बाद में सभी को चिकित्सा देखभाल के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि मरीजों की हालत फिलहाल स्थिर है। अधिकारी बीमारी के संभावित कारण और समारोह के दौरान बांटे गए खाद्य पदार्थों की संदूषण की जांच भी कर रहे हैं। इसी तरह की एक घटना इस साल की शुरुआत में राम नवमी समारोह के दौरान बेंगलुरु ग्रामीण जिले में सामने आई थी। लगभग 400 श्रद्धालुओं को परोसे गए मंदिर के प्रसाद का सेवन करने के बाद करीब 60 लोग बीमार पड़ गए थे। प्रसाद खाने के तुरंत बाद कई लोगों ने पेट दर्द, उल्टी और दस्त जैसे लक्षणों की शिकायत की थी। स्वास्थ्य अधिकारियों ने घटना के सटीक कारण का पता लगाने के लिए खाद्य नमूनों को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा था।

ट्रंप के कहने पर बढ़ रही ईंधन की कीमत? आप के संजय सिंह का मोदी सरकार पर बड़ा हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह ने शनिवार को ईंधन की कीमतों में हालिया वृद्धि को लेकर भारत सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि केंद्र सरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देशों का पालन कर रही है। सिंह ने जोर देकर कहा कि तेल की खरीद उसके स्रोत की परवाह किए बिना, सबसे सस्ते उपलब्ध स्रोत से की जानी चाहिए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए सिंह ने कहा कि वह (ट्रम्प) आदेश दे रहे हैं कि आपको रूस से तेल नहीं खरीदना चाहिए। उन्होंने तो यहाँ तक कह दिया है कि वे हम पर नज़र रखेंगे। क्या हमारी राष्ट्रीय संप्रभुता अब भी बरकरार है? जहाँ कहीं भी सस्ता तेल उपलब्ध हो, स्रोत चाहे जो भी हो, आपको उसे खरीदना चाहिए और जनता को उपलब्ध कराना चाहिए। संजय सिंह ने सरकार द्वारा राष्ट्र से सात बार अपील जारी करने की भी निंदा की और कहा कि आपने लोगों को सोना न खरीदने का निर्देश जारी किया, लेकिन क्या आपने कभी उन कारीगरों और शिल्पकारों की दुर्दशा पर ध्यान दिया जिनकी आजीविका सोने के व्यापार पर निर्भर है? सिंह ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान वित्तीय कठिनाइयों के बारे में जनता को कभी सूचित न करने का आरोप सरकार पर लगाया और दावा किया कि चुनाव समाप्त होते ही, आप तुरंत अपनी कठिनाइयों पर विलाप करने लगे।

प्रधानमंत्री मोदी का नीदरलैंड से संदेश: पासपोर्ट बदल सकता है, लेकिन हमारी भारतीयता नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री मोदी का नीदरलैंड के हेग में भारतीय समुदाय को संबोधित कर रहे हैं। इस दौरान पीएम मोदी ने भारत और भारतीयों की भावना की सराहना की। उन्होंने कहा कि पासपोर्ट का रंग, पता या समय क्षेत्र बदल सकता है, लेकिन भारतीयता नहीं बदल सकती। उन्होंने भारतीय समुदाय द्वारा उनके गर्मजोशी से स्वागत के लिए भी आभार व्यक्त किया। पीएम मोदी ने कहा कि इतना प्यार और उत्साह... सच कहूँ तो, कुछ पल के लिए तो मैं भूल ही गया था कि मैं नीदरलैंड्स में हूँ। ऐसा लग रहा है जैसे भारत में कहीं कोई त्योहार चल रहा हो। मैं यहाँ रहने वाले भारतीय समुदाय से भलीभांति परिचित हूँ। यहाँ बसे कई परिवारों की कहानियाँ महज़ पलायन की कहानियाँ नहीं हैं। ये अनगिनत संघर्षों के बीच प्रगति की कहानियाँ हैं। उन दिनों किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि समुद्र पार करने के बाद भी भारतीयों की पहचान इतनी जीवंत बनी रहेगी।

पीएम मोदी ने कहा कि मानव इतिहास गवाह है कि समय के साथ कई संस्कृतियाँ लुप्त हो गईं। लेकिन भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति आज भी यहाँ के लोगों के दिलों में धड़कती है। पीढ़ियाँ बदल गईं, देश बदल गए, वातावरण बदल गया... लेकिन पारिवारिक मूल्य नहीं बदले, अपनेपन की भावना नहीं बदली। क्योंकि आपने अपने पूर्वजों की भाषा नहीं छोड़ी है। आज 16 मई है, और यह दिन एक और कारण से भी बेहद विशेष है। आज से ठीक 12 वर्ष पहले, 16 मई 2014 को, देश में एक ऐतिहासिक घटना घटी थी। इसी दिन 2014 के लोकसभा चुनावों के परिणाम घोषित हुए थे। दशकों बाद यह तय हुआ था कि भारत में एक स्थिर और पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनेगी। वो भी एक दिन था, और आज का यह दिन भी एक दिन है। करोड़ों भारतीयों का विश्वास ही मुझे न रुकने देता है और न ही थकने देता है।

प्रधानमंत्री ने समुदाय को संबोधित करने से पहले राजस्थानी लोक नृत्य का आनंद लिया

हेग में समुदाय को संबोधित करने से पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय प्रवासी समुदाय के बच्चों द्वारा प्रस्तुत राजस्थानी लोक नृत्य का लुत्फ उठाया।

भारत-नीदरलैंड साझेदारी को बढ़ावा देने पर प्रधानमंत्री मोदी का बयान

एम्स्टर्डम पहुंचने के तुरंत बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर एक संदेश साझा करते हुए इस यात्रा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते ने व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने के नए अवसर पैदा किए हैं। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि दोनों देश जल प्रबंधन, स्वच्छ ऊर्जा और उन्नत प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में और अधिक निकटता से काम कर सकते हैं।

व्यापार, प्रौद्योगिकी और स्वच्छ ऊर्जा वार्ता के प्रमुख बिंदु रहेंगे

प्रधानमंत्री मोदी और नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जेटेन के बीच होने वाली चर्चा में व्यापार विस्तार, सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा, नवाचार और रक्षा सहयोग पर विशेष ध्यान दिए जाने की उम्मीद है। अधिकारियों ने बताया कि यह दौरा भारत-नीदरलैंड संबंधों के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हो रहा है, क्योंकि दोनों देश रणनीतिक और आर्थिक सहयोग को और गहरा करना चाहते हैं।

नितिन गडकरी को धमकी भरे फोन करने के मामले में अदालत ने आतंकवाद विरोधी कानून के तहत दो लोगों को दोषी ठहराया

नई दिल्ली, एजेंसी। नागपुर की एक विशेष अदालत ने शुक्रवार को दो व्यक्तियों को 2023 में कर्नाटक की जेल से केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को धमकी भरे फोन करने के आरोप में पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार के शर्मा ने कुख्यात अपराधी जयेश पुजारी उर्फ कंथा और आतंकी आरोपी अफसर पाशा को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और सख्त गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी ठहराया और सजा सुनाई। हालांकि, अदालत ने उन्हें यूएपीए की धारा 20 (आतंकवादी कृत्य में शामिल आतंकवादी गिरोह या संगठन का सदस्य होना) के तहत बरी कर दिया।

श्रम विभाग की बैठक में बड़ा फैसला, प्रदेश में अब दो दिन वर्क फ्रॉम होम, अलग-अलग शिफ्ट में खुलेंगे ऑफिस

आर्यावर्त क्रांति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बढ़ती उत्पादन लागत और गैस आपूर्ति में आ रही कमी को देखते हुए श्रम विभाग की उच्च स्तरीय बैठक में कई अहम फैसले लिए गए हैं। इन निर्णयों का उद्देश्य उद्योगों को राहत देना और ऊर्जा खपत को नियंत्रित करना बताया गया है। बैठक में तय किया गया है कि प्रदेश में अब सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम (WFH) व्यवस्था लागू की जाएगी। इसके साथ ही कार्यालयों और फैक्ट्रियों को अलग-अलग शिफ्टों में संचालित करने का प्रस्ताव भी मंजूर किया गया है, ताकि बिजली और गैस की खपत को संतुलित किया जा सके। अधिकारियों के अनुसार गैस आपूर्ति में बाधा आने के कारण कई उद्योगों की उत्पादन लागत लगातार बढ़ रही है, जिससे रोजगार और संचालन दोनों पर दबाव बन रहा है। ऐसे में यह कदम उद्योगों को स्थिर रखने और कामकाज सुचारू बनाए रखने के लिए जरूरी माना जा रहा है। सरकार का कहना है कि आने वाले दिनों में इस नई व्यवस्था को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे, जिनमें वर्क फ्रॉम होम और शिफ्ट सिस्टम के क्रियान्वयन की रूपरेखा स्पष्ट की जाएगी। यह फैसला Uttar Pradesh के औद्योगिक ढांचे को राहत देने और ऊर्जा संकट से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

देश में पहली बार कैप्टागन ड्रग की बड़ी खेप जब्त, करीब 182 करोड़ रुपये कीमत, ऑपरेशन रेजपिल के तहत कार्रवा

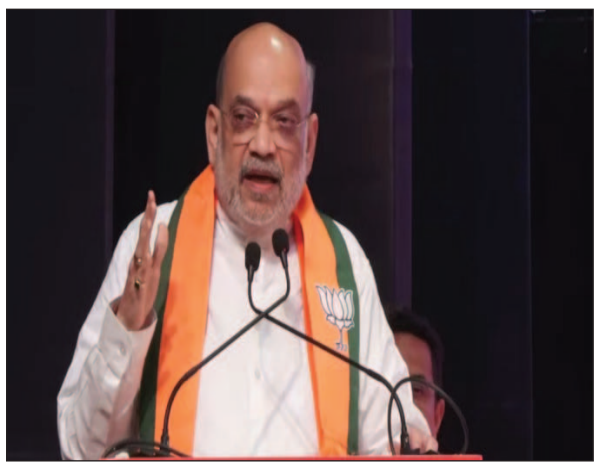

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज बताया कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने पहली बार कैप्टागन नामक ड्रग की बड़ी खेप जब्त की है, जिसकी कीमत करीब 182 करोड़ रुपये आंकी गई है।

गृह मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ड्रग-फ्री इंडिया के संकल्प के साथ लगातार कार्रवाई कर रही है। उन्होंने बताया कि 'ऑपरेशन रेजपिल' के तहत एजेंसियों ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। अमित शाह ने कहा कि मध्य पूर्व भेजी जा रही इस ड्रग खेप को जब्त करना और एक विदेशी नागरिक की गिरफ्तारी, नशे के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति का बड़ा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार देश में आने वाले या भारत की जमीन का ट्रांजिट रूट के तौर पर इस्तेमाल कर बाहर भेजे जाने वाले हर तरह के नशीले पदार्थों पर सख्त कार्रवाई जारी रखेगी।

गृह मंत्री ने इस ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए एनसीबी अधिकारियों और जवानों की सतर्कता और बहादुरी की सराहना भी की। ऑपरेशन 'रेजपिल' को एनसीबी द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चलाया गया एक बड़ा अभियान माना जा रहा है, जिसका मकसद अवैध ड्रग्स नेटवर्क को तोड़ना है।

'कैप्टागन' असल में फेनेथिलिन नामक एम्फेटामिन आधारित ड्रग का रूप है। मिडिल ईस्ट के युद्धग्रस्त इलाकों और आतंकी संगठनों के लड़ाकों के बीच इसके इस्तेमाल की वजह से इसे 'जिहादी ड्रग' कहा जाता है। जानकारी के मुताबिक, इस ड्रग का सेवन करने के बाद इंसान को दर्द, डर या थकान का एहसास कम हो जाता है। यही वजह है कि इसे लड़ाई और हिंसक गतिविधियों में इस्तेमाल किया जाता रहा है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि इस तरह की ड्रग्स न केवल युवाओं को बर्बाद करती हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय अपराध और आतंक नेटवर्क को भी बढ़ावा देती हैं।

'पाकिस्तान तय करे वो भूगोल का हिस्सा बनना चाहता है या इतिहास का', सेना प्रमुख की पाक को चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को बहुत सख्त लहजे में चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देना और भारत के खिलाफ साजिशें रचना जारी रखता है, तो उसे एक बड़ा फैसला लेना होगा। पाकिस्तान को यह तय करना होगा कि वह भविष्य में दुनिया के नक्शे (भूगोल) पर रहना चाहता है या सिर्फ इतिहास का हिस्सा बनकर रह जाना चाहता है।

जनरल द्विवेदी ने यह बात नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित एक संवाद सत्र के दौरान कही। उनसे सवाल पूछा गया था कि अगर पिछले साल के ऑपरेशन सिंदूर जैसी परिस्थितियां दोबारा बनती हैं, तो भारतीय सेना की प्रतिक्रिया क्या होगी। इसके जवाब में उन्होंने पाकिस्तान को यह सीधा और कड़ा संदेश दिया। सेना प्रमुख ने सीधे तौर पर कहा, 'अगर पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देना और भारत के खिलाफ काम करना जारी रखता है, तो उन्हें यह तय करना होगा कि वो भूगोल का हिस्सा बनना चाहता हैं या इतिहास का।'

सेना प्रमुख ने भारत के कड़े रुख को दोहराया

यह बयान ऐसे समय में आया है जब देश और भारतीय सेना ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ मना रहा हैं। जनरल द्विवेदी की यह संक्षिप्त टिप्पणी पाकिस्तान के लिए एक बड़ी चेतावनी है। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत के कड़े रुख को एक बार फिर दोहराया है। बाद दें कि, पिछले साल सात मई को ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत हुई थी। यह ऑपरेशन पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के जवाब में शुरू हुआ था। इस दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में मौजूद आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। इसके बाद पाकिस्तान ने भी भारत के खिलाफ हमले की कोशिश की थी। जोकि नाकाम रहे। भारत ने उन सभी हमलों का मुंहतोड़ जवाब दिया। दोनों परमाणु संपन्न देशों के बीच यह सैन्य संघर्ष लगभग 88 घंटों तक चला था। 10 मई की शाम को दोनों पक्षों के बीच एक आपसी समझ बनने के बाद यह संघर्ष रुका था। सेना प्रमुख के इस ताजा बयान ने साफ कर दिया है कि भारत अपनी सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

टीएमसी नेताओं के पार्टी छोड़ने की अटकलों पर ममता बनर्जी का साफ संदेश- 'जो जाना चाहते हैं, जाएं'

कोलकाता, एजेंसी। हाल ही में संपन्न हुए पश्चिम बंगाल चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हाथों मिली करारी हार को आखिरकार स्वीकार करते हुए, पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कथित तौर पर अपनी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उम्मीदवारों से संगठन को फिर से खड़ा करने का आग्रह किया, लेकिन उन लोगों के लिए एक संदेश भी दिया जो इस यात्रा में उनके साथ नहीं रहना चाहते। ममता बनर्जी ने कालीघाट स्थित अपने आवास पर टीएमसी के चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के साथ हुई बैठक में, जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी भी उपस्थित थे, कहा कि हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में करारी हार के बावजूद संगठन फिर से उठ खड़ा होगा।

उनकी पार्टी तीन कार्यकाल सत्ता में रहने के बाद 2026 के राज्य चुनावों में भाजपा से हार गई। पार्टी के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया से अलग होने के इच्छुक नेताओं के लिए एक संदेश में, ममता बनर्जी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस छोड़ने के इच्छुक लोग ऐसा करने के लिए स्वतंत्र हैं। सूत्रों के हवाले से बनर्जी के हवाले से कहा जा रहा कि जो लोग अन्य पार्टियों में जा रहे हैं, उन्हें जाने दें। मैं पार्टी का नए सिरे से पुनर्निर्माण करूंगी। जो लोग पार्टी में बने रहेंगे, उनसे मैं कहना चाहती हूं कि क्षतिग्रस्त पार्टी कार्यालयों का पुनर्निर्माण करें, उन्हें रंगें और फिर से खोलें। यदि आवश्यक हुआ, तो मैं भी उन्हें रंग दूंगी। तृणमूल कांग्रेस कभी नहीं झुकेगी। जनता के जनादेश की लूट हुई है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 4 मई को राज्य में गिनी गई 293 विधानसभा सीटों में से, टीएमसी केवल 80 सीटें ही जीत पाई, जो पिछले राज्य चुनावों में उसकी 215 सीटों की तुलना में एक बड़ी गिरावट है। बंगाल में 294 विधानसभा सीटें हैं, हालांकि, एक निर्वाचन क्षेत्र - फाल्टा - में 21 मई को पुनः मतदान होना है। ममता बनर्जी खुद भी उस सीट से हार गईं, जहां से उन्होंने चुनाव लड़ा था - भाबनीपुर, जिसे लंबे समय से उनका राजनीतिक गढ़ माना जाता था। टीएमसी ने 291 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, जबकि दार्जिलिंग पहाड़ियों की तीन सीटें अपने सहयोगी भारतीय गोरखा प्रजातांत्रिक मोर्चा (बीजीपीएम) के लिए छोड़ दी थीं, जिसका नेतृत्व अनित थापा कर रहे थे।

नीट पेपर लीक के विरोध में एनएसयूआई ने एनटीए कार्यालय के बाहर किया प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की उठाई मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों के बाद नीट-UG 2026 परीक्षा रद्द किए जाने के विरोध में राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) के सदस्यों ने भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। एनएसयूआई के सदस्य एनटीए को बंद करने का प्रतीक ताला और जंजीर लिए हुए थे, तख्तियां लिए हुए थे और एनटीए तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की अनियमितताओं के लिए आलोचना करते हुए नारे लगा रहे थे। उन्होंने परीक्षार्थियों के लिए न्याय की मांग की। केंद्र और एनटीए पर अक्षमता का आरोप लगाते हुए उन्होंने एजेंसी पर प्रतिबंध लगाने और मामले की चल रही जांच के मद्देनजर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शनकारियों के साथ झड़प होने पर पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया।

एएनआई से बात करते हुए, प्रदर्शनकारियों में से एक ने एनटीए को राष्ट्रीय भ्रष्टाचार एजेंसी कहा और सरकार से इसे 'तत्काल बंद करने' की मांग की। कथित तौर पर परीक्षा रद्द होने के कारण उम्मीदवारों द्वारा आत्महत्या करने पर निराशा और दुख व्यक्त करते हुए, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शिक्षा मंत्री से जवाबदेही तय करने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई एनटीए पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर रही है। यह राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी नहीं है; यह 'राष्ट्रीय भ्रष्टाचार एजेंसी' है।

उन्होंने कहा कि हम सरकार से मांग करते हैं कि इसे तुरंत बंद किया जाए क्योंकि एनटीए द्वारा आयोजित हर परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक होते हैं। उनका एक मिलीभगत वाला समझौता है और वे बस युवाओं से माफी मांगने आते हैं। देश में हो रहे प्रश्नपत्र लीक के लिए कौन जिम्मेदार है? आज छात्र आत्महत्या कर रहे हैं; इसके लिए कौन जिम्मेदार है? मैं प्रधानमंत्री से पूछना चाहता हूं कि युवाओं को अंतिम संस्कार की चिताओं पर देखकर वे कैसे सो सकते हैं। धर्मेंद्र प्रधान को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए। हम एनटीए पर प्रतिबंध और उन दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हैं जिन्होंने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को बर्बाद कर दिया है और उन्हें अवसाद और आत्महत्या की ओर धकेल दिया है। ये जंजीरें उस ताले का प्रतीक हैं जिसे हम एनटीए के गेट पर लगाने वाले हैं। इसी बीच, एक अन्य प्रदर्शनकारी ने भाजपा पर सिर्फ दिखावा, कोई कार्रवाई नहीं और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उन्होंने एनटीए पर प्रतिबंध लगाने और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने कहा कि मोदी जी भाषण देते हैं कि कागजात लीक करने वालों को जड़ से उखाड़ फेंका जाएगा। फिर भी, ये हरकतें राजस्थान में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा की जा रही हैं, जैसा कि मीडिया में दिखाया जा रहा है। एनएसयूआई लगातार आवाज उठा रही है। फिर भी कोई कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? भाजपा सरकार सिर्फ बातें करती है।

प्रदेश में आज से लू और तपिश का अलर्ट, इन जिलों के लिए जारी हुई विशेष चेतावनी

आर्यावर्त क्रांति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार मौसम में उतार चढ़ाव जारी है। बीते 13 और 14 मई को तेज आंधी और झोंकेदार हवाओं ने कई जिलों में भारी नुकसान पहुंचाया। कई जगह पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए, जिससे जनजीवन प्रभावित रहा। दूसरी ओर बुंदेलखंड और दक्षिणी जिलों में भीषण गर्मी व तेज धूप ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने शनिवार के लिए बुंदेलखंड के बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, फतेहपुर, हमीरपुर, महोबा, झांसी और ललितपुर इन आठ जिलों में लू का अलर्ट जारी किया है। विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में गर्मी और तपिश का असर प्रदेश के मध्य हिस्सों तक तेजी से पहुंचेगा। शुक्रवार को बांदा 43.6 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। इसके अलावा झांसी, उरई, प्रयागराज और आगरा में भी गर्मी का असर तीखा बना रहा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार फिलहाल प्रदेश में कोई सक्रिय मौसम तंत्र नहीं है। ऐसे में मौसम शुष्क बना रहेगा और विकिरणीय ऊष्मन से अगले पांच दिनों में तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं 18 और 19 मई के लिए कई क्षेत्रों में भीषण गर्मी का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

आईसीयू में हुई शादी, हालत हुई गंभीर... डॉक्टर ने गोरखपुर की दुल्हन को लखनऊ किया रेफर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। गोरखपुर के आर्यन हॉस्पिटल में भर्ती दुल्हन की तबीयत ज्यादा खराब होने पर उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया है। उसके सिर में सूजन आ गई थी। केस की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे लखनऊ के हायर सेंटर रेफर कर दिया है। हादसे के बाद से ही वह अचेत अवस्था में है। वह आंखें तो खोल रही है, लेकिन कुछ बोल नहीं पा रही है। उसे लखनऊ के चिनहट रोड स्थित केआरएम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की निगरानी में ICU में उसका इलाज चल रहा है। वहां उसका पति शनि यादव भी मौजूद है।

13 मई को पूजा की शादी थी और उसी दिन वह LLB अंतिम सेमेस्टर का पेपर देकर बाइक से खलीलाबाद से लौट रही थी। इसी दौरान उसे चक्कर आया और वह मोटरसाइकिल से गिर गई, जिससे उसके सिर पर गंभीर चोटें आईं। उसके पति शनि ने उसी दिन शादी की रस्म निभाई और ICU में ही पूजा की मांग भरी थी।

बताया जा रहा है कि पूजा के इलाज में काफी रुपए खर्च हो चुके हैं। अब परिवार के लोग मदद की गुहार लगा रहे हैं। परिजनों ने पूजा के नाम का QR कोड भी जारी कर दिया है। पूजा को हादसे के बाद से अभी तक पूरी तरह होश नहीं आया है। डॉक्टरों के मुताबिक, वह आंखें तो खोल रही है लेकिन कुछ बोल नहीं पा रही है।

बताते चलें कि गोरखपुर के बांसगांव निवासी पूजा यादव 13 मई को खलीलाबाद से गोरखपुर आते समय बाइक से गिरकर घायल हो गई थीं। इसके बाद परिवार वालों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया था और तभी से वह अचेत अवस्था में है। लेकिन उसके सिर में सूजन आने की वजह से डॉक्टरों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया है, जहां ICU में डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है।

गोरखपुर के बांसगांव के हटवार गांव निवासी पूजा यादव की शादी महादेवा बाजार के महुआ निवासी शनि यादव से नवंबर 2025 में ही तय हुई थी। 23 मई 2026 को उनकी शादी होनी थी। 23 मई को ही पूजा का LLB अंतिम सेमेस्टर का पेपर था। सुबह वह अपने भाई के साथ खलीलाबाद स्थित कॉलेज में परीक्षा देने गई थी। दोनों घरों में शादी की तैयारी चल रही थी।

परीक्षा खत्म होने के बाद वह दोपहर करीब 12 बजे अपने भाई के साथ बाइक से वापस घर लौट रही थी। रास्ते में अचानक पूजा को चक्कर आया और वह चलती बाइक से नीचे गिर गई, जिससे उसके शरीर में गंभीर चोटें आ गईं। इसके बाद भाई ने इसकी सूचना घर पर दी तो परिवार के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और पूजा को बातचीत की अवस्था में ही एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया।

जहां डॉक्टरों ने ICU में भर्ती करने के बाद उसका इलाज शुरू कर दिया। वहीं लड़की के परिवार वालों ने दूल्हे और उसके परिवार वालों से संपर्क किया। दूल्हे के परिवार वालों ने कहा कि शादी उसी मुहूर्त में होगी। इसके बाद दूल्हा शादी की रस्म पूरी कर सिंदूरदान करने अस्पताल पहुंचा और उसने ICU के अंदर पूजा की मांग भरी। यह दृश्य देखकर वहां मौजूद लोग भावुक हो गए। फिलहाल पूजा का इलाज लखनऊ के हायर सेंटर में चल रहा है, जहां उसका पति शनि भी मौजूद है।

कर्ज के बोझ तले दबे सर्राफा व्यापारी की ट्रेन से कटकर मौत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। शहर के लखनऊ नाका रेलवे क्रॉसिंग पर शनिवार दोपहर एक सर्राफा व्यापारी की मालगाड़ी की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के महमूदपुर सलाहपुर बरदहिया निवासी 35 वर्षीय अनिल कुमार सोनी के रूप में हुई है। परिजनों ने आर्थिक तंगी और भारी कर्ज के चलते आत्महत्या की आशंका जताई है। जानकारी के अनुसार अनिल कुमार सोनी शनिवार दोपहर रेलवे ट्रैक के किनारे पैदल जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार मालगाड़ी की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि उनका बायां हाथ कंधे से अलग हो गया। घटना के बाद आसपास के लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और तत्काल जीआरपी को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही जीआरपी थाने के उप निरीक्षक आरिफ खान टीम के साथ मौके पर पहुंचे। तलाशी के दौरान मृतक की जेब से मिले आधार कार्ड के आधार पर उनकी पहचान की गई। बाद में परिजनों को सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि अनिल कुमार सोनी अपने घर के पास ही सर्राफा की दुकान चलाते थे। वह चार भाइयों में तीसरे नंबर पर थे। उनके भाई गुलाब सोनी पंजाब में रहते हैं, जबकि फूल सोनी और अमित सोनी सुल्तानपुर में ही हैं। मृतक की पत्नी चंदा सोनी ने बताया कि दुकान पर काफी कर्ज हो गया था और वह लंबे समय से मानसिक तनाव में चल रहे थे। लोन की किस्तें जमा न कर पाने को लेकर वह परेशान रहते थे। शनिवार को भी उन्होंने घर से निकलते समय किस्त जमा करने की बात कही थी।

मिशन शक्ति फेज–5 के तहत छात्राओं को किया गया जागरूक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जनपद के श्री विश्वनाथ इंटर कॉलेज में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति फेज-5 अभियान के अंतर्गत विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा, साइबर अपराध से बचाव एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना रहा।

इस अवसर पर थाना अखंडनगर के इंस्पेक्टर धीरेन्द्र कुमार वर्मा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। वहीं विद्यालय के प्रधानाचार्य आशुतोष सिंह ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ सुरक्षा संबंधी जानकारी होना भी अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने छात्राओं को महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, 112 एवं अन्य आपातकालीन सेवाओं की जानकारी देते हुए साइबर ठगी और सोशल मीडिया से जुड़े अपराधों से सतर्क रहने की सलाह दी। साथ ही आत्मरक्षा के उपायों एवं कठिन परिस्थितियों में साहस के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया।

विद्यालय की शिक्षिकाएं मनीषा पांडे एवं रीता सिंह ने भी छात्राओं को मिशन शक्ति अभियान के उद्देश्यों एवं महिला सशक्तिकरण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और महिला सुरक्षा एवं आत्मनिर्भरता से जुड़े विषयों पर जानकारी प्राप्त की। विद्यालय परिवार ने इस पहल को छात्राओं के लिए बेहद उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया।

करौंदी कलां में बिजली संकट से ग्रामीण परेशान

करौंदी कलां। सुरापुर टीपी नगरा से मिलने वाली बिजली व्यवस्था इन दिनों पूरी तरह चरमरा गई है। क्षेत्र के करौंदी कलां सहित आसपास के गांवों में लगातार बिजली कटौती और घंटों आपूर्ति बाधित रहने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी के बीच बिजली गायब रहने से लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि दिन और रात में कई-कई घंटे बिजली नहीं रहती, जिससे पंखे, कूलर और पानी की मोटर बंद पड़ी रहती हैं। छोटे बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को सबसे अधिक दिक्कत हो रही है। उमस भरी गर्मी में लोग रातभर जागने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि कई बार विभागीय अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। बिजली की अनियमित आपूर्ति के कारण किसानों और व्यापारियों को भी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

मुरादाबाद में बिजली मीटर रीडर ने हड़पे 25 हजार तो बनाया मुर्गा, वीडियो पर गरमाई सियासत

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। मुरादाबाद में बिजली विभाग के मीटर रीडर को दफ्तर के बाहर मुर्गा बनाने का मामला अब राजनीतिक रंग पकड़ चुका है। उपभोक्ता के 25 हजार रुपये हड़पने के आरोप में हुई इस कार्रवाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी इस पर ट्वीट कर सरकार और बिजली विभाग पर निशाना साधा। अब यह मामला पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बना हुआ है।

मुरादाबाद के दलपतपुरा बिजलीघर में सामने आए इस मामले ने अब सियासी मोड़ ले लिया है। मामला एक संविदा मीटर रीडर रानू कुमार से जुड़ा है, जिस पर आरोप है कि उसने एक उपभोक्ता से बिजली बिल जमा कराने के नाम पर 25 हजार रुपये लिए और रकम सरकारी खाते में जमा करने के बजाय फर्जी रसीद थमा दी।

जब कुछ दिन बाद उपभोक्ता के पास दोबारा बकाया जमा करने का संदेश पहुंचा तो उसे पूरे मामले की जानकारी हुई। इसके बाद उपभोक्ता ग्रामीणों के साथ मीटर रीडर को पकड़कर बिजली विभाग के एसडीओ कार्यालय पहुंच गया।

आरोप है कि वहां एसडीओ ने मीटर रीडर को दफ्तर के बाहर करीब आधे घंटे तक मुर्गा बनाकर बैठाए रखा। मौके पर मौजूद लोगों ने इसका वीडियो बना लिया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

क्या बोले अखिलेश यादव?

वीडियो वायरल होने के बाद मामला राजनीतिक गलियारों तक पहुंच गया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, जब बिजली का मीटर ही गड़बड़ है तो फिर मीटर रीडर से क्या अपेक्षा की जाए। अखिलेश यादव के ट्वीट के बाद विपक्ष सरकार और बिजली विभाग पर सवाल उठा रहा है। वहीं बिजली विभाग ने भी मामले का संज्ञान लेते हुए मीटर रीडर की सेवाएं समाप्त कर दी हैं और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है। चीफ इंजीनियर अशोक कुमार चौरसिया के मुताबिक, एसडीओ की भूमिका की भी जांच कराई जा रही है। फिलहाल यह मामला पूरे जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है।

ब्राह्मण समाज पर कथित टिप्पणी से भड़का आक्रोश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी के कथित बयान को लेकर जिले में ब्राह्मण समाज में भारी रोष व्याप्त है। देव पुरोहित महासभा ने इसे समाज विशेष की भावनाओं को आहत करने वाला बताते हुए आरोपी प्रवक्ता के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। देव पुरोहित महासभा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष प्रवीण कुमार तिवारी के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों ने पुलिस एवं जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की। संगठन का आरोप है कि सोशल मीडिया और प्रिंट मीडिया में प्रसारित बयान के माध्यम से समाज में जातीय वैमनस्यता और तनाव फैलाने का प्रयास किया गया है। महासभा की ओर से दिए गए शिकायती पत्र में कहा गया है कि 5 मई को आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान सपा प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने एक दोहे का उल्लेख करते हुए कथित रूप से ब्राह्मण समाज पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। संगठन का कहना है कि इस बयान से ब्राह्मण समाज की भावनाएं गहराई से आहत हुई हैं और लोगों में तीव्र नाराजगी है। महासभा अध्यक्ष प्रवीण कुमार तिवारी ने कहा कि किसी भी जाति या समाज के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली टिप्पणियां सामाजिक सौहार्द बिगाड़ सकती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह बयान जानबूझकर समाज में नफरत और द्वेष फैलाने की मंशा से दिया गया है, जिससे क्षेत्र में शांति व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। संगठन के पदाधिकारियों ने प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि समय रहते उचित कार्रवाई नहीं की गई तो समाज में आक्रोश और बढ़ सकता है। उन्होंने आरोपी के खिलाफ तत्काल विधिक कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने वालों में अनिल द्विवेदी, सर्वेश कुमार मिश्र, अजय कुमार मिश्रा, आचार्य गोपाल द्विवेदी, अमरनाथ तिवारी, अभय तिवारी, प्रवीण कुमार द्विवेदी, महेश तिवारी और आलोक कुमार मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

गर्लफ्रेंड की धमकियों से परेशान गणित के टीचर ने दी जान, चार पन्नों के सुसाइड नोट में लिखी कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में प्रेम प्रसंग और लगातार मिल रही धमकियों से परेशान होकर एक गणित टीचर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना इज्जतनगर थाना क्षेत्र के धौरेरा माफी गांव की है। पुलिस को मौके से चार पन्नों का सुसाइड नोट मिला है, जिसमें टीचर ने अपनी प्रेमिका और उसके भाइयों को मौत का जिम्मेदार बताया है। सुसाइड नोट मिलने के बाद पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

दरअसल, गोरखपुर के गोला थाना क्षेत्र के सुअरज गांव निवासी 26 वर्षीय वशिष्ठ मुनि बरेली के नवाबगंज के बरौर स्थित राजकीय इंटर कॉलेज में गणित के टीचर थे। वह इज्जतनगर के धौरेरा माफी में किराये पर कमरा लेकर रहते थे।

शुक्रवार को जब उनके पिता ने फोन किया तो कॉल रिसीव नहीं हुई। इसके बाद मकान मालिक को जानकारी दी गई। कमरे में जाकर देखा गया तो वशिष्ठ मुनि का शव फंदे पर लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच-पड़ताल की। पुलिस ने रात में ही पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सौंप दिया।

सुसाइड नोट के आधार पर जांच

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि टीचर के मोबाइल में उसकी प्रेमिका की काफी कॉल और मैसेज मिले हैं। शुरुआती जांच में दोनों के बीच लंबे समय से विवाद और मानसिक दबाव की बात सामने आई है। चार पन्नों के सुसाइड नोट में टीचर ने लिखा है कि प्रेमिका और उसके भाई लगातार परेशान कर रहे थे। उन पर रुपये लेने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है।

पुलिस अब मोबाइल कॉल डिटेल, मैसेज और सुसाइड नोट के आधार पर पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

नीट पेपर लीक और महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। नीट परीक्षा पेपर लीक मामले और लगातार बढ़ती महंगाई को लेकर शनिवार को जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी ने कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा।

प्रदर्शन का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने किया, जबकि शहर अध्यक्ष की मौजूदगी में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि नीट पेपर लीक प्रकरण केंद्र सरकार की विफलता का बड़ा उदाहरण है, जिससे लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है। साथ ही पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों ने आम जनता की परेशानियां बढ़ा दी हैं। ज्ञापन में मांग की गई कि नीट पेपर लीक मामले की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। परीक्षा आयोजित कराने वाली एजेंसी एनटीए के जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कदम उठाए जाएं तथा प्रभावित छात्रों को न्याय और उचित राहत दी जाए। इसके अलावा पेट्रोल, डीजल और गैस के बढ़े दाम वापस लेने तथा रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर नियंत्रण लगाने की मांग भी की गई। जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि सरकार की लापरवाही के कारण मेहनती छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ है। यदि सरकार में नैतिकता बची है तो शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है, लेकिन सरकार जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनहीन बनी हुई है।

वहीं शहर अध्यक्ष ने कहा कि देश का युवा आज खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। मेहनत करने वाले छात्रों के साथ अन्याय हो रहा है और सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस आंदोलन को और तेज करेगी। इस दौरान सलाहुद्दीन हाशमी, हौसला प्रसाद भीम, मनोज तिवारी, आरबी पांडे, अतहर नवाब, कमर खान एडवोकेट, ममनून आलम, सुब्रत सिंह सनी, रणजीत सिंह सलूजा, अमोल बाजपेयी, श्याम किशोर, अवधेश गौतम, गुड्डू जायसवाल, मानस तिवारी, हामिद राईन, मोहसिन सलीम, विनय त्रिपाठी, आशीष पाण्डेय और राना पांडेय सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नेताओं के विवाद में अखाड़ा बना शिक्षा का मंदिर, पुलिस हुई तैनात... अब बच्चे नहीं आ रहे स्कूल

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। कानपुर के परमट स्थित प्राथमिक स्कूल के शिलान्यास को लेकर कानपुर में सपा विधायक और भाजपा नेता आमने-सामने हैं। राजनीतिक अखाड़ा बन चुके स्कूल में सिर्फ तीन कमरे बचे हैं, जिनमें एक कमरा प्रधानाचार्य का है और दो कमरे अन्य कक्षाओं के लिए मौजूद हैं। लेकिन विवाद के चलते स्कूल में पुलिस तैनात कर दी गई है, जिसके कारण पिछले चार दिनों में यहां पढ़ने आने वाले बच्चों की संख्या में बेहद कमी आई है। बीते दिन स्कूल में मात्र 6 से 7 बच्चे पढ़ने पहुंचे।

प्रधानाचार्य नवीन का कहना है कि विद्यालय में पुलिस की मौजूदगी और किसी भी समय प्रदर्शन या विवाद की स्थिति बनने की आशंका के चलते अभिभावक बच्चों को स्कूल नहीं भेज रहे हैं।

कानपुर की आर्य नगर विधानसभा क्षेत्र में स्थित यह परमट प्राइमरी स्कूल करीब दो वर्षों से जर्जर अवस्था में पड़ा था। इसे देखकर सपा विधायक अमिताभ बाजपेई और कानपुर के सांसद रमेश अवस्थी ने अपने-अपने स्तर पर प्रयास किए और स्कूल को नए स्वरूप में देने की कोशिश की। लेकिन दोनों राजनीतिक दलों के बीच पैदा हुए विवाद के बाद स्कूल का मामला अपनी जगह फंस गया है।

पूरे मामले में बेसिक शिक्षा अधिकारी सुजीत कुमार का कहना है कि स्कूल में पढ़ाई व्यवस्था सुचारू रूप से चल सके, इसके लिए वहां पुलिस की तैनाती की गई है। जबकि चाइल्ड प्रोटेक्शन के अनुसार इस तरह की तैनाती बच्चों के दिमाग में डर पैदा कर रही है।

फिलहाल मामले में अभी तक कानपुर के सांसद रमेश अवस्थी का किसी भी प्रकार का कोई बयान सामने नहीं आया है। वहीं अमिताभ बाजपेई को बीते दिन निर्धारित तिथि पर शिलान्यास के लिए स्कूल नहीं जाने दिया गया। इसके बाद उन्होंने अपने घर पर ही हवन-पूजन कर शिलान्यास की ईंटों की पूजा की।

उन्होंने कहा कि वे संविधान की कसम खाते हैं कि स्कूल वहीं बनाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने स्कूल निर्माण पूरा होने तक शरीर के ऊपरी हिस्से पर वस्त्र न पहनने और पैरों में चप्पल न पहनने का निर्णय लिया है।

आपको बता दें कि स्कूल निर्माण का कुछ हिस्सा अमिताभ बाजपेई की विधायक निधि से बनाया गया है, जबकि स्मार्ट क्लास सांसद निधि से बनाई गई है। सांसद रमेश अवस्थी के प्रस्ताव के अनुसार उन्हें स्मार्ट क्लास और बाउंड्री वॉल निर्माण की अनुमति मिली है।

समाजवादी पार्टी विधायक अमिताभ बाजपेई और भाजपा के वरिष्ठ नेता सुरेश अवस्थी के बीच तनातनी इस कदर बढ़ चुकी है कि मौके पर किसी बड़ी घटना से बचाव के लिए कानपुर पुलिस कमिश्नरेट के अधिकारियों ने वहां पुलिस बल तैनात कर दिया है और किसी भी प्रकार की राजनीतिक गतिविधि पर रोक लगा दी है।

चिकन पॉक्स को लेकर प्रशासन सक्रिय

जौनपुर। जफराबाद नगर पंचायत के नासही मुहल्ले के दलित बस्ती में पिछले दिनों 32 चिकन पॉक्स के मरीज मिले।उसके बाद स्वास्थ्य विभाग और नगर पंचायत प्रशासन सक्रिय हो गया। चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ0 सरफराज खान की देखरेख में नगर पंचायत द्वारा व्यापक पैमाने पर साफ सफाई करवाया जा रहा है।इसके अलावा मुहल्ले के लोगों के स्वास्थ्य सेवाओं के लिए नगर पंचायत में स्थित स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डॉ धर्मेश कुमार अपने टीम के साथ लगे हुए हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष उम्मे रहिला तथा अधिशासी अधिकारी विजय कुमार ने उक्त मोहल्ले सहित पूरे नगर में सफाई कर्मियों की बड़ी टीम लगाकर लगातार सुबह-शाम सफाई करवाने का निर्देश दिया है। सफाई कर्मियों की टीम को सक्रिय किया गया है। सभी वार्ड में दवाइयों का छिड़काव एवं साफ सफाई का विशेष प्रयास किया जा रहा है। शुक्रवार को नगर पंचायत के दो दर्जन सफाई कर्मियों से उक्त बस्ती की साफ सफाई कराई गई।

खुशी फॉउण्डेशन व आशा ज्योति स्पेशल स्कूल के सहयोग से चिकित्सा शिविर आयोजित

शिविर में मैक्स अस्पताल, साकेत, नई दिल्ली एवं डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल का रहा सहयोग

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। खुशी फॉउण्डेशन व आशा ज्योति स्पेशल स्कूल के तत्वावधान में शनिवार को आशा ज्योति स्पेशल स्कूल, इंदिरानगर में निःशुल्क स्वास्थ शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान उत्तर प्रदेश पेरेंट्स एसोसिएशन फॉर द वेलफेयर ऑफ मेंटली हैंडीकैप्ड सिटीजन्स के सुबोध शंकर ने बताया कि खुशी फॉउण्डेशन के सहयोग से इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है और इसमें

चिकित्सीय परामर्श के अलावा निःशुल्क नेत्र जांच की सुविधा भी आमजन के लिए उपलब्ध करायी गयी। उन्होंने बताया कि आशा ज्योति स्कूल मानसिक रूप से दिव्यांग और ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों के लिए समर्पित है। यह संस्थान बौद्धिक दिव्यांगता, सेरेब्रल पाल्सी, और डाउन सिंड्रोम वाले बच्चों को वोकेशनल ट्रेनिंग, हॉस्टल और शून्य से 18 वर्ष की आयु के लिए सेवाएं प्रदान करता है।

खुशी फॉउण्डेशन की ऋचा द्विवेदी ने कहा कि आजकल की भागदौड़ एवं तनाव भरी ज़िन्दिगी में अधिकतर लोग अपने स्वास्थ्य की तरफ ध्यान नहीं देते हैं। इसी को देखते हुए यह निःशुल्क शिविर आयोजित किया गया। शिविर की सफलता को देखते हुए खुशी फॉउण्डेशन द्वारा शहर में इस तरह के और भी शिविर आयोजित किये जाएंगे। इस दौरान मैक्स अस्पताल, साकेत, नई दिल्ली के सुधांशु मिश्रा ने बताया कि आजकल की भागदौड़ भरी ज़िन्दिगी एवं लोगों को फिट रखने के लिए मैक्स अस्पताल एवं खुशी फॉउण्डेशन द्वारा इस तरह के और भी सेमिनार आयोजित किया जाते रहेंगे।

खुशी फॉउण्डेशन की तरफ से ऋचा द्विवेदी द्वारा मैक्स अस्पताल, नई दिल्ली और डॉ अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल, लखनऊ को धन्यवाद भी ज्ञापित किया । उन्होंने दोनों ही संस्थानों की तरफ से भविष्य में इस तरह के और भी शिविर आयोजित करने की अपेक्षा की जिससे कि स्वस्थ उत्तर प्रदेश, स्वस्थ भारत का सपना साकार हो सके।

शिविर के दौरान खुशी फॉउण्डेशन एवं आशा ज्योति स्कूल के पदाधिकारियों के अलावा डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल से शमामा खातून, शादाब मालिक, अमर सिंह, विशेष शर्मा भी उपस्थित रहे। इसके अलावा आशा ज्योति स्कूल से उपासना वर्मा एवं माला निगम ने भी शिविर में अपना सहयोग दिया एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

गोरखपुर को मिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का तोहफा, 393 करोड़ की लागत से होगा निर्माण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ और केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पूरी ने शनिवार को गोरखपुर में 393 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले अत्याधुनिक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का भूमिपूजन और शिलान्यास किया। 46 एकड़ भूमि पर बनने वाला यह स्टेडियम 30 हजार दर्शकों की क्षमता से युक्त होगा और इसमें आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार खेल अवस्थापना को लगातार मजबूत कर रही है। 'खेलो इंडिया', 'फिट इंडिया मूवमेंट' और खेल प्रतियोगिताओं ने देश में नई खेल संस्कृति को बढ़ावा दिया है, जिसके परिणामस्वरूप भारत का प्रदर्शन ओलंपिक, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतर हुआ है।मुख्यमंत्री ने बताया कि गोरखपुर में बनने वाले इस अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में चार हाई मास्ट स्पोर्ट्स लाइटिंग सिस्टम, मुख्य मैदान में सात प्लेइंग पिच, आठ अभ्यास पिच और प्रवेश-निकास के

लिए आठ द्वार बनाए जाएंगे। स्टेडियम अग्नि सुरक्षा, भूकंपरोधी तकनीक, ऊर्जा दक्ष प्रणाली, एलईडी प्रकाश व्यवस्था और आधुनिक वातानुकूलन व्यवस्था से सुसज्जित होगा। इसके साथ ही समीप स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का भी निर्माण होगा, जहां हॉकी, इंडोर खेल और अन्य खेल गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार गांव स्तर पर खेल मैदान, विकासखंड स्तर पर मिनी स्टेडियम और जिला स्तर पर स्टेडियम विकसित कर रही है। प्रत्येक मंडल में स्पोर्ट्स कॉलेज की दिशा में काम चल रहा है। मेरठ में मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने खेल नीति के तहत ओलंपिक, राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेल और विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले 534 से अधिक खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी है और 500 अन्य खिलाड़ियों की सीधी भर्ती प्रक्रिया भी शुरू की गई है।मुख्यमंत्री ने प्रदेश में कानून-व्यवस्था, सड़क संपर्क और आधारभूत ढांचे में सुधार का उल्लेख करते हुए कहा कि गोरखपुर से वाराणसी और लखनऊ की दूरी पहले की तुलना में काफी कम समय में तय की जा रही है। प्रदेश के सभी जनपदों को चार लेन संपर्क मार्ग, बेहतर हवाई अड्डे और एक्सप्रेस-वे नेटवर्क से जोड़ा जा रहा है।केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि गोरखपुर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण केवल एक परियोजना नहीं, बल्कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के युवाओं के सपनों को नई दिशा देने वाला कदम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने विकास, सुशासन और आधुनिक अवस्थापना के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। प्रदेश की मजबूत कानून-व्यवस्था ने निवेश और औद्योगिक विकास को बढ़ावा दिया है।केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने कहा कि स्टेडियम बनने से गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश के युवाओं को उच्चस्तरीय खेल सुविधाएं मिलेंगी। यहां भविष्य में बड़े क्रिकेट मुकाबले और आईपीएल जैसे आयोजन होने की संभावना बनेगी, जिससे क्षेत्र में रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।कार्यक्रम को खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव और सांसद Ravi Kishan ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर खेल विषयक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में मत्स्य मंत्री संजय निषाद, जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

आधुनिक तकनीक से पुलिसिंग होगी अधिक पारदर्शी और प्रभावी, पीआरवी कर्मियों को दिया गया विशेष प्रशिक्षण

लखनऊ। जिला प्रशिक्षण इकाई (डीटीयू), पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ में शुक्रवार को पीआरवी कर्मियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सहायक पुलिस आयुक्त-112 ने कर्मियों को आधुनिक तकनीकी उपकरणों के प्रभावी, पारदर्शी और विधिसम्मत उपयोग के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रशिक्षण में बड़ी संख्या में पीआरवी कर्मियों और अधिकारियों ने भाग लिया।प्रशिक्षण सत्र के दौरान सहायक पुलिस आयुक्त-112 ने कहा कि वर्तमान समय में आधुनिक तकनीक पुलिस व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। तकनीकी उपकरणों के बेहतर उपयोग से अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के साथ आमजन को त्वरित और बेहतर पुलिस सेवा उपलब्ध कराई जा सकती है।कार्यक्रम में घटनास्थल से साक्ष्यों के वैज्ञानिक तरीके से संकलन, संरक्षण और परीक्षण में क्राइम सीन किट की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि यदि साक्ष्यों का सही ढंग से संकलन और संरक्षण किया जाए तो अपराधियों के खिलाफ मजबूत कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकती है।

○ संक्षेप ○

निशातगंज में सड़क दुर्घटना में युवक की मौत, कार चालक पर मुकदमा दर्ज

लखनऊ। महानगर थाना क्षेत्र के निशातगंज में सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के भाई की तहरीर पर कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार महानगर थाना क्षेत्र के निशातगंज निवासी अताउर्रहमान ने तहरीर देकर बताया कि उनके छोटे भाई अजाज उर्रहमान उर्फ रहमान खान (करीब 35 वर्ष) 15 मई की रात खाना खाने के बाद घर से टहलने निकले थे। वह वाल्दा रोड स्थित अनिल कुमार सिंह के घर के सामने बैठे हुए थे।आरोप है कि रात करीब 10:30 बजे कार संख्या यूपी 32 जेई 4578 (ग्रैंड आई-10) के चालक अनिल कुमार सिंह ने वाहन को लापरवाही से पार्क करते समय अजाज उर्रहमान को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना के बाद परिजन घायल को तत्काल भाऊराव देवरस अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां हालत गंभीर होने पर उन्हें डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल रेफर किया गया। उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।महानगर थाना पुलिस ने तहरीर के आधार पर मु0अ0सं0 81/2026 में धारा 106(1)/281 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले में अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सैरपुर में अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला की मौत, वाहन की तलाश में जुटी पुलिस

लखनऊ। सैरपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के सड़क पार कर रही एक महिला की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायल महिला को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।पुलिस के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे सूचना मिली कि थाना क्षेत्र स्थित सब्जी मंडी के पास कंट्री मोड़ पर सड़क पार करते समय एक महिला को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी है। सूचना पर सैरपुर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायल महिला को उपचार के लिए सौ शैय्या अस्पताल भेजा गया, जहां परीक्षण के बाद चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया।मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों, क्षेत्रीय निवासियों और परिजनों से मिली जानकारी के आधार पर मृतका की पहचान खितावुन (46) पत्नी नूर मोहम्मद, मूल निवासी रामकोट थाना क्षेत्र, जनपद सीतापुर और वर्तमान में छठा मील मीट मार्केट के पीछे, लखनऊ निवासी के रूप में हुई है। परिजनों ने पुलिस को बताया कि मृतका क्षेत्र में पान-तंबाकू की गुमटी संचालित करती थी। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया हैसैरपुर पुलिस का कहना है कि दुर्घटना करने वाले अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है और मामले की जांच जारी है। क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य बनी हुई है।

पश्चिम एशिया संकट के संभावित असर को लेकर श्रम विभाग सतर्क, मंत्री अनिल राजभर ने दिए दिशा-निर्देश

लखनऊ। वैश्विक परिस्थितियों और पश्चिम एशिया संकट के संभावित प्रभावों को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने श्रम एवं रोजगार क्षेत्र में तैयारियों की समीक्षा तेज कर दी है। श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर की अध्यक्षता में शनिवार को वर्चुअल माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें श्रम विभाग से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक में प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन डॉ. एम.के. शन्मुगा सुंदरम, श्रमायुक्त, सेवायोजन निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अधिकारी, भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड और असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा बोर्ड के अधिकारी शामिल हुए।समीक्षा बैठक में पश्चिम एशिया के होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों के प्रभावित होने से खाड़ी देशों में कार्यरत श्रमिकों के बेरोजगार होने की आशंका पर चर्चा की गई। साथ ही गैस आधारित और अन्य ऊर्जा आधारित औद्योगिक इकाइयों में ऊर्जा संकट और लागत बढ़ने की स्थिति में संभावित छंटनी और रोजगार प्रभावित होने की आशंका पर रणनीति तैयार करने पर जोर दिया गया। बैठक में अधिक कर्मचारियों वाले संस्थानों और औद्योगिक इकाइयों को सप्ताह में कम से कम दो दिन घर से कार्य व्यवस्था लागू करने की सलाह देने पर चर्चा हुई। साथ ही कार्यालय समय को अलग-अलग पालियों में विभाजित करने और श्रमिकों-कर्मचारियों को मेट्रो, बस तथा साझा वाहन जैसी सार्वजनिक परिवहन सेवाओं के उपयोग के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए गए।श्रम मंत्री ने औद्योगिक इकाइयों, नवप्रवर्तन उद्यमों और संस्थानों के साथ बैठक कर घर से कार्य व्यवस्था को प्रोत्साहित करने पर बल दिया।

वाराणसी में विकास कार्यों और बिजली व्यवस्था को लेकर मंत्री ए.के. शर्मा सख्त

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने वाराणसी में नगर विकास और ऊर्जा विभाग की अलग-अलग समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को विकास कार्यों में तेजी लाने और बिजली व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर से जुड़े सभी विकास कार्यों को तत्काल प्रभाव से पूरा किया जाए और आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए।मंत्री ए.के. शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क, नाली, दीवारों की पेंटिंग, पार्कों का रखरखाव, पार्कों का सौंदर्यीकरण, इंटरलॉकिंग और सड़क किनारे सुंदरीकरण से जुड़े कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि नगर विकास से जुड़े कार्यों की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। नगर विकास मंत्री ने 15 मई की रात नगर आयुक्त के साथ वाराणसी शहर का स्थलीय निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने सड़कों, नालियों, सौंदर्यीकरण कार्यों और दीवारों की पेंटिंग का जायजा लिया। कई स्थानों पर निर्माण कार्य प्रगति पर मिले, जहां उन्होंने स्थानीय नागरिकों से बातचीत कर कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति की जानकारी ली। स्थानीय लोगों ने कार्यों को संतोषजनक और गुणवत्तापूर्ण बताया।मंत्री ने बारिश से पहले नालों की सफाई सुनिश्चित करने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि जलभराव की समस्या किसी भी स्थिति में नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर में कहीं भी कूड़ा-कचरा जमा न होने पाए और पूरे वाराणसी में साफ-सफाई अभियान पूरी सक्रियता से चलाया जाए।

कांग्रेस आरटीआई विभाग की कार्यशाला में सूचना के अधिकार को जनहित का मजबूत हथियार बताया गया

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय, लखनऊ में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सूचना का अधिकार (आरटीआई) विभाग की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता विभाग के चेयरमैन पुष्पेंद्र श्रीवास्तव ने की। कार्यक्रम में प्रदेश भर से आए आरटीआई विभाग के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और आरटीआई कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।कार्यशाला का संचालन विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. अमित उठवाल ने किया, जबकि आरटीआई कार्यकर्ता देवेंद्र मणि त्रिपाठी ने कार्यकर्ताओं को सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रभावी उपयोग, प्रक्रिया और जनहित के मुद्दों को उठाने के संबंध में प्रशिक्षण दिया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अविनाश पाण्डेय और विशिष्ट अतिथि के रूप में Ajay Rai उपस्थित रहे।

पेपर लीक के बहाने अश्लील बातें करने वाला शिक्षक भेजा गया जेल, हो सकता है निलंबन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बीएससी अंतिम वर्ष की छात्रा को मोबाइल पर पेपर लीक कराने का प्रलोभन देकर अशोभनीय बातें करने वाले लखनऊ विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. परमजीत सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जेल भेजा दिया है। पुलिस ने विवि में शिक्षक का कमरा खंगाला और उसके लैपटॉप व मोबाइल भी कब्जे में ले लिए हैं। माना जा रहा है कि कुलपति के निर्देश पर मामले की जांच कर रही इंटरनल कंप्लेंट कमेटी (आईसीसी) की रिपोर्ट आने के बाद शिक्षक पर सोमवार तक निलंबन की गाज गिर सकती है।

लखनऊ विवि के जंतु विज्ञान विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. परमजीत सिंह और बीएससी फाइनल ईयर की एक छात्रा के बीच बातचीत का एक ऑडियो शुक्रवार को वायरल

हुआ था। इस वीडियो में डॉ. परमजीत छात्रा से कह रहे थे कि उन्होंने उसके लिए दो पेपर लीक करा दिए हैं, आकर मुझसे मिलो। फोन पर हुई वार्ता के वायरल ऑडियो ने शुक्रवार को हड़कंप मचा दिया था।

नाराज छात्रों ने शाम से लेकर रात तक विवि में प्रॉक्टर कार्यालय का घेराव कर जमकर नारेबाजी कर धरना-प्रदर्शन किया। लविवि के परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से हसनगंज थाने में मामले की एफआईआर दर्ज कराई गई थी। इसके बाद पुलिस ने आरोपीशिक्षक को गिरफ्तार कर लिया था। शनिवार को पुलिस ने शिक्षक के कमरे की गहन तलाशी ली और उसका लैपटॉप व मोबाइल जब्त कर लिया। शिक्षक का कमरा भी सील कर दिया गया। शनिवार शाम तक आईसीसी की जांच रिपोर्ट नहीं आई थी। माना जा रहा है कि रविवार को अवकाश के चलते सोमवार को कुलपति प्रो. जेपी सैनी इस मामले में कठोर कार्रवाई कर सकते हैं। आरोपी शिक्षक पर निलंबन की गाज गिर सकती है।

कैबिनेट विस्तार पर अखिलेश ने की थी टिप्पणी, राजभर का पलटवार- प्रतीक की तेरहवीं तक तो रुक जाते सपा प्रमुख

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट में राजभर ने अखिलेश यादव को सत्ता का लालची बताते हुए लिखा कि परिवार में शोक होने के बाद भी वह राजनीति करने से बाज नहीं आ रहे हैं। तंज कसते हुए कहा कि कम से कम तेरहवीं तक तो रुक जाते, उसके बाद राजनीति कर लेते।

दरअसल, 15 मई को अखिलेश ने योगी सरकार में हुए मंत्रिमंडल विस्तार और विभागों के बंटवारे को लेकर सोशल मीडिया पर टिप्पणी की थी। इसी पोस्ट को लेकर अब ओम प्रकाश राजभर ने पलटवार किया है। राजभर ने अपने पोस्ट में लिखा कि अभी हाल ही में अखिलेश यादव के भाई प्रतीक यादव का निधन हुआ है

और पूरा परिवार दुख में है। इसी वजह से उन्होंने भी कुछ समय तक अखिलेश की राजनीति पर बोलना बंद कर दिया था। उन्हें लगा था कि सपा प्रमुख परिवार के साथ दुख में होंगे, लेकिन वह शोक के बीच भी राजनीतिक बयानबाजी कर रहे हैं।

..बेगाने मंत्रिमंडल में अखिलेश दीवाना

राजभर ने भोजपुरी में भी अखिलेश यादव पर कटाक्ष किया। उन्होंने लिखा...बेगाने मंत्रिमंडल में अखिलेश दीवाना और आगे कहा, लागत ह तू लाज सरम सब घोर के पी गयल हउवा। उनके इस बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में बयानबाजी और तेज होने के आसार हैं। मंत्री ने कहा कि अखिलेश यादव को अपने घर से ज्यादा दूसरों के घर की चिंता रहती है। उन्होंने मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर किए गए सवालों पर तंज कसते हुए कहा कि अभी विभागों का बंटवारा भी नहीं हुआ है, फिर इतनी बेचैनी क्यों है। राजभर ने कहा कि अगर मंत्री बनने की इतनी ही इच्छा है तो अखिलेश यादव सुभासपा ज्वाइन कर लें। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लड़कर भी उन्हें किसी विभाग का मंत्री बनवा देंगे।

यूपीपीसीएल में चिकित्सा भत्ते के भुगतान और अभिलेख रखरखाव को लेकर निर्देश जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) ने चिकित्सा भत्ते के भुगतान और उससे जुड़े अभिलेखों के रखरखाव को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। प्रबंध निदेशक नितीश कुमार की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि चिकित्सा भत्ते का भुगतान निर्धारित व्यवस्था के अनुसार वर्ष 2026 से सुनिश्चित किया जाए।जारी निर्देशों में कहा गया है कि चिकित्सा भत्ते के भुगतान संबंधी मदों का समुचित लेखांकन किया जाए और संबंधित अभिलेखों का उचित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, जिससे भुगतान प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बनी रहे। कारपोरेशन ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सभी वित्तीय अभिलेख व्यवस्थित रूप से संधारित किए जाएं और भुगतान संबंधी प्रक्रियाओं में किसी प्रकार की त्रुटि न होने पाए।

आक्रोशित 69000 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थी सोमवार को घेरेंगे मुख्यमंत्री आवास, 19 मई को होनी है अहम सुनवाई

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। 69000 शिक्षक भर्ती मामले में एक बार फिर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी लखनऊ में अपनी मांगो को लेकर धरना प्रदर्शन करेंगे। अभ्यर्थियों का आरोप है कि इस प्रकरण पर सरकार कोई पहल नहीं कर रही है। इसके कारण मामला लटकता जा रहा। इसकी पहली सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में सितंबर 2024 में हुई थी, उसके बाद से लगातार तारीख पर तारीख मिल रही है।

आंदोलन का नेतृत्व कर रहे धनंजय गुप्ता व सुशील कश्यप ने कहा कि प्रकरण के निस्तारण के लिए सरकार की ओर से कोई पहल न करने से नाराज अभ्यर्थी अपने परिजनों के साथ 18 मई को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे। विक्रम, अमित मौर्य, सुमित कुमार, राहुल मौर्या, मनोज प्रजापति व शैलेंद्र वर्मा आदि अभ्यर्थियों ने कहा कि इस मामले में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट, मुख्यमंत्री द्वारा गठित जांच समिति की रिपोर्ट और लखनऊ हाईकोर्ट डबल बेंच का फैसला सब हमारे पक्ष में है। फिर भी हमारे साथ न्याय इसलिए नहीं किया जा रहा है। अभ्यर्थियों ने कहा कि 19 मई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है। सरकार को कोर्ट में अपना पक्ष रखना है। अगर 19 मई को सरकार अपना पक्ष स्पष्ट रख देती है तो मामले का निस्तारण जल्द हो जाएगा। इस मामले की सुनवाई न होने से हम अभ्यर्थी आहत हैं।

घाटे से गौरव तक: उत्तर प्रदेश बना 35 हजार करोड़ रुपये रेवेन्यू सरप्लस वाला आर्थिक शक्ति केंद्र

लखनऊ। कभी आर्थिक असंतुलन, राजकोषीय अव्यवस्था और सीमित संसाधनों वाले राज्य के रूप में पहचाना जाने वाला उत्तर प्रदेश अब 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक के रेवेन्यू सरप्लस के साथ एक मजबूत और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के रूप में उभरकर सामने आया है। प्रदेश सरकार का दावा है कि यह उपलब्धि दूरदर्शी नीतियों, वित्तीय अनुशासन, राजस्व वृद्धि और व्यय प्रबंधन के संतुलित मॉडल का परिणाम है, जिसने उत्तर प्रदेश को आर्थिक रूप से सशक्त राज्य के रूप में स्थापित किया है।प्रदेश सरकार के अनुसार मुख्यमंत्री Yogi Adityanath के नेतृत्व में शासन व्यवस्था में व्यापक बदलाव किए गए, जिससे वित्तीय अनुशासन को प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा बनाया गया। "न्यूनतम व्यय, अधिकतम प्रभाव" की नीति के जरिए संसाधनों के उपयोग में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया।

विधानसभा चुनावों के परिणाम से विपक्षी दलों पर धुंध छाई

पश्चिमी बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पांडिचेरी के विधानसभा चुनाव के परिणाम को लेकर विपक्ष में भ्रम की स्थिति है क्योंकि कांग्रेस सहित अनेक विपक्षी दलों को लगता है कि भारतीय जनता पार्टी लोकसभा चुनाव हारना काफी मुश्किल है। राजनीतिक विश्लेषकों आशुतोष, जयंत घोषाल, राजीव रंजन,का मानना है कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद हुए विधानसभा चुनाव में हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र,बिहार, असम, उड़ीसा, और अब पश्चिमी बंगाल में जिस तरह भारतीय जनता पार्टी ने एक तरफा जीत हासिल की है उससे तो लगता है कि 2029 लोकसभा चुनाव का रास्ता उसके लिए साफ हो गया है क्योंकि 2024 के लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र, पश्चिमी बंगाल, उत्तर प्रदेश, हरियाणा,में भारतीय जनता पार्टी का प्रदर्शन 240 सीट पर आकर टिक गया था। लेकिन अब वह बात नहीं क्योंकि पश्चिमी बंगाल विधानसभा चुनाव जीतने बाद उसकी 42 लोकसभा सीट पर उसे अब आसानी होगी ।

आशुतोष कहते हैं कि भारतीय जनता पार्टी और अन्य पार्टियां में आइडियोलॉजी का फर्क है। भाजपा चुनाव इस लिए लड़ती है कि वह आरएसएस और अपनी एजेंडे को लागू कर सके चाहे वह अनुच्छेद 370 का मामला हो या राममंदिर का मसला,।अब भाजपा के समक्ष बांग्लादेशी घुसपैठ, कॉमन सिविल कोड, जैसे बड़े मामले है । जिसमें एक सीट परिसीमन, महिला आरक्षण संबंधी विधेयक संसद से पारित कराने है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने अनुसार एक बृहद शिक्षा नीति बनाना चाहता है। दूसरी ओर विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है क्योंकि वे सरकार में सत्ता करने वाला खेल खेलते हैं। यद्यपि दक्षिण भारत में तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना में अलग अलग पार्टियों का शासन है लेकिन उनके पास भी हिंदी ब केंद्रीय सरकार का मुद्दा है क्योंकि वे चाहते हैं कि भारत लोकतांत्रिक देश में राज्यों की भूमिका अधिकतर तथ्यों में है।वे रक्षा, वित्त, दूरसंचार,विदेश मामलों तक केंद्रीय सरकार को जिम्मेदार बनाते हैं। लेकिन भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय भूमिका की पक्षधर है।

राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस की सरकार आजादी के बाद लगभग साठ साल रही लेकिन उद्देश्य पूर्ण कार्य जवाहरलाल नेहरू, श्री मति इंदिरा गांधी,ने किया बाद में नरसिंह राव सरकार ने भी उदारीकरण नीति बनाई जिससे देश का वित्तीय विकास हुआ , रोजगार का सृजन हुआ। लेकिन उसके बाद अटल बिहारी वाजपेई की सरकार ने भारतीय जनता पार्टी सरकार की नींव रखी थी जिसमें दक्षिण पंथी विचारों को अपनाया गया। लेकिन 2004से ,2014 तक मनमोहन सिंह सरकार ने उद्देश्य हीन ही सरकार चलाई जिसमें भ्रष्टाचार का बोलबाला था। राज्यों में जैसे पश्चिमी बंगाल में 37 साल लेफ्ट पार्टियों की सरकार रही थी उस कालखंड में कोलकाता, पूरे राज्य का ओद्योगिक ढांचा समाप्त हो गया था।टीएमसी ने 15 वर्ष उसे खड़ा करने कोई प्रयास नहीं किया।जुट उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ। इस प्रकार बीएसपी की उत्तर प्रदेश में 2002 से 2007 तक बिना किसी उद्देश्य के चली ।बाद में समाजवादी पार्टी की सरकार 2007से 2012 तक भी कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं हुआ । भारत के राज्यों में गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, मध्य प्रदेश, राजस्थान,ने उल्लेखनीय कार्य किया।

कांग्रेस, ,बीजेडी,डीएमके, तुड़मूल कांग्रेस,सपा , टीवीके,आप,एआईडीएमके,राजेडी,सीपीई,सीपीएम, टीआरएस, सहित अनेक पार्टियां ऐसी है कि कुनवा चला रहा है । इन पार्टियां ने मुस्लिम तुष्टिकरण को हवा दी है । जिसमें सपा, डीएमके, तुड़मूल , कांग्रेस,राजद,ने तो मुसलमानों को जैसे वोट बैंक ही बनाया।।इन पार्टियां के प्रमुखों ने अकूत संपत्ति अर्जित की है।2027 में उत्तर प्रदेश,पंजाब, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव होने है ।जिसमें से हिमाचल प्रदेश को छोड़कर सभी राज्यों में भारतीय जनता पार्टी सरकारें है।

ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों के 'दिल्ली-विमर्श' के निहितार्थ

कमलेश पांडे

देखा जाए तो नई दिल्ली में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों का जमावड़ा लगा हुआ है। दो दिनों का यह 18वां शिखर सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया कई मोर्चे पर अस्थिरता से गुजर रही है।

ब्रिक्स (BRICS) के विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय दिल्ली बैठक ने दुनिया को कई महत्वपूर्ण राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक संदेश दिए हैं, जिनके कूटनीतिक निहितार्थ को समझने की जरूरत है। अन्यथा शेष दुनिया को अमेरिकी-यूरोपीय दादागिरी (नाटो सैन्य गठबंधन) के दुनियावी दांवपेंचों से निजात मिलनी मुश्किल है। लिहाजा, इस बैठक में मुख्य रूप से वैश्विक शक्ति-संतुलन, अमेरिकी प्रतिबंध नीति, पश्चिम एशिया संकट, वैश्विक व्यापार व्यवस्था और "ग्लोबल साउथ" की भूमिका पर जोर दिखाई दिया।

देखा जाए तो नई दिल्ली में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों का जमावड़ा लगा हुआ है। दो दिनों का यह 18वां शिखर सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया कई मोर्चे पर अस्थिरता से गुजर रही है। ब्रिक्स के सदस्य देश - ईरान और यूएई सीधे तौर पर इस हलचल में शामिल है। ऐसे में यह जुटान पूरी दुनिया के लिए अहम हो जाती है। इस अहम बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, रूस के विदेश मंत्री सर्जेइ लावरोव और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची जैसे नेताओं के दूरदर्शिता भरे बयान विशेष चर्चा में रहे। जिसके दुनियावी मायने बेहद अहम हैं।

जिस तरह से कूटनीतिक सम्मेलन के पहले ही दिन जयशंकर ने अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के खिलाफ लगाए जाने वाले एकतरफा प्रतिबंधों का जिक्र किया, जो सबसे ज्यादा विकासशील देशों को नुकसान पहुंचाते हैं। स्वाभाविक तौर पर उनका इशारा अमेरिका है, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों की वजह से दुनिया को बहुत ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। वहीं, ईरान मामले में भी गतिरोध की वजह बहुत हद तक वॉशिंगटन की अव्यवहारिक मांगें है। ब्रिक्स के बड़े मंच से उठी आवाज का असर ज्यादा होगा।

विदेश मंत्री एस जयशंकर का उद्घाटन भाषण मौजूदा चुनौतियों का सही खाका खींचता है। पश्चिम एशिया पर मंडराता युद्ध का खतरा, ऊर्जा संकट, सप्लाई चेन में रुकावट और जलवायु परिवर्तन ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। तमाम देशों की अर्थव्यवस्था को मंदी में फंसने का डर सता रहा है। ऐसे में जैसा कि विदेश मंत्री ने कहा, विकासशील देशों ने ब्रिक्स से यह उम्मीद लगाई है कि यह मंच स्थिरता कायम करने में सकारात्मक भूमिका अदा करेगा। इसके कतिपय निहितार्थ इस प्रकार हैं-

पहला, एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था को चुनौतीः बैठक का सबसे बड़ा संदेश यह था कि दुनिया अब केवल अमेरिका-केन्द्रित व्यवस्था पर निर्भर नहीं रहना चाहती। ब्रिक्स देशों ने "मल्टीपोलर वर्ल्ड" के दृष्टिगत बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया। इसका अर्थ है कि वैश्विक निर्णयों में पश्चिमी देशों के साथ एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका की शक्तियों की भी बराबर भूमिका हो।

दूसरा, अमेरिकी प्रतिबंधों और आर्थिक दबाव का विरोधः भारत, रूस, चीन और ईरान सहित कई देशों ने एकतरफा प्रतिबंधों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार और संप्रभुता के खिलाफ बताया। विशेष रूप से एस जयशंकर ने कहा कि प्रतिबंध और दबाव कूटनीति का विकल्प नहीं हो सकते। यह संदेश सीधे तौर पर अमेरिका की प्रतिबंध नीति की आलोचना माना गया।

तीसरा, डॉलर प्रभुत्व कम करने का संकेतः बैठक में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने और वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों पर भी चर्चा हुई। यह संदेश था कि ब्रिक्स देश डॉलर पर निर्भरता कम करना चाहते हैं ताकि अमेरिकी आर्थिक दबाव का असर घटाया जा सके।

चतुर्थ, पश्चिम एशिया संकट पर चिंताः ईरान-इज़राइल तनाव और समुद्री मार्गों की सुरक्षा बड़ा मुद्दा रहा। ब्रिक्स देशों ने रेड सी और होर्मुज़ जलडमरूमध्य जैसे मार्गों की सुरक्षा पर जोर दिया। दुनिया को यह संदेश दिया गया कि क्षेत्रीय युद्ध अब वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा को सीधे प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि इस मंच के सामने भी चुनौती है। ईरान और यूएई के आपसी रिश्ते ठीक नहीं चल रहे। जबकि चीन ने अपने विदेश मंत्री को नहीं भेजा है।

एक बात और, जब सम्मेलन की शुरुआत हुई, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग तब ट्रंप की मेजबानी में व्यस्त थे। ब्रिक्स के सबसे बड़े विरोधी ट्रंप है। उन्हें लगता है कि यह मंच अमेरिकी हितों के खिलाफ खड़ा किया गया है। मेजबान होने के नाते यह भारत की जिम्मेदारी है कि यहां से निकला संदेश किसी के विरोध में नहीं, साझा हित में हो। भारत के पास सभी सदस्यों को करीब लाने और मौजूदा संकट का समाधान पेश करने का मौका है।

पांचवां, ग्लोबल साउथ की राजनीतिक आवाजः बैठक में यह स्पष्ट हुआ किब्रिक्स स्वयं को केवल आर्थिक समूह नहीं, बल्कि विकासशील देशों की सामूहिक राजनीतिक आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है। अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के देशों की समस्याओं—जैसे खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा संकट और कर्ज—को वैश्विक एजेंडा में प्रमुखता देने की बात कही गई।

छठा, संयुक्त राष्ट्र सुधार की मांगः भारत और ब्राजील ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और विकासशील देशों के अधिक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता दोहराई। यह संदेश था कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी संस्थाओं में अब नई वैश्विक वास्तविकताओं के अनुसार बदलाव होना चाहिए।

सातवां, ब्रिक्स के भीतर मतभेद भी सामने आएः हालांकि बैठक में एकजुटता दिखाई गई, लेकिन यह भी स्पष्ट हुआ कि सभी सदस्य अमेरिका-विरोधी नीति पर पूरी तरह एकमत नहीं हैं। भारत और ब्राजील जैसे देश पश्चिम के साथ संतुलित संबंध बनाए रखना चाहते हैं, जबकि रूस और ईरान अधिक आक्रामक रुख चाहते हैं। इससे यह संकेत मिला कि ब्रिक्स अभी पूर्ण राजनीतिक गठबंधन नहीं, बल्कि साझा हितों वाला मंच है।

समग्र रूप से कहा जाए तो, इस बैठक का वैश्विक संदेश यह था कि उभरती शक्तियाँ अब विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था में अधिक स्वतंत्र, संतुलित और पश्चिम से अलग भूमिका चाहती हैं। ब्रिक्स ने यह दिखाने की कोशिश की कि "ग्लोबल साउथ" अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन का सक्रिय खिलाड़ी बनना चाहता है। चूंकि ब्रिक्स अब केवल उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं का समूह नहीं रहा, इसकी भूमिका आज कहीं ज्यादा व्यापक हो चुकी है।

वास्तव में यह वैश्विक संतुलन स्थापित करने में महत्वपूर्ण हो सकता है। भारत का रोल इसमें सबसे अहम हो जाता है। उसने पश्चिमी देशों के साथ रिश्ते बनाए हुए हैं, जबकि रूस, ईरान और चीन के साथ भी बैलेंस रखा है। उसने हमेशा संवाद से समाधान की बात की है। यह रवैया उसे भरोसेमंद साथी बनाता है।

टिप्पणी

पहल के पीछे के इरादे पर शक

विदेशी चंदे की भारत में क्या भूमिका रही है और इसका किस हद तक अवांछित उद्देश्यों के लिए उपयोग हुआ है, इस बारे में स्पष्टता बनाने की जरूरत है। बेहतर होगा कि केंद्र इस बारे में श्वेत पत्र जारी करे।

संसद के चालू सत्र में विदेशी अनुदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) संशोधन विधेयक ना पारित कराने के केंद्र के एलान से इस बारे में टकराव फिलहाल टल गया है। केंद्र ने कहा कि केरल में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों ने इस मुद्दे पर अनावश्यक विवाद खड़ा किया। वैसे, कहा यह भी जा सकता है कि इसी चुनाव के कारण विधेयक को फिलहाल टालने पर केंद्र इतनी आसानी से राजी हो गया। वरना, विवादित विधेयकों को बहुमत के जोर से पारित कराने का उसका रिकॉर्ड जग-जाहिर है। केरल में भाजपा की नजर भी ईसाई मतदाताओं पर है; इसके बावजूद कि भाजपा और उसके सहमना संगठनों का लंबे समय से इल्जाम है कि ईसाई संस्थाएं विदेशी धन का इस्तेमाल धर्मांतरण के लिए करती हैं।

और संभवतः इसीलिए एफसीआरए के नियमों में बदलाव को ईसाइयों ने अपने खिलाफ माना है। कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया ने इसे खतरनाक और चिंताजनक बताया है, जबकि केरल और अन्य राज्यों में चर्च समूहों ने विरोध प्रदर्शन किए हैं। बहरहाल, विदेशी चंदे को सिर्फ सांप्रदायिक संदर्भ में देखना सही नजरिया नहीं है। बेहतर होगा कि ऐसे चंदे की व्यापक भूमिका पर विचार- विमर्श किया जाए। विदेशी चंदे की भारत में क्या भूमिका रही है और इसका किस हद तक अवांछित उद्देश्यों के लिए उपयोग हुआ है, इस बारे में स्पष्टता बनाने की जरूरत है। बेहतर होता कि केंद्र इस बारे में श्वेत पत्र जारी करता। उससे इस बारे में ठोस समझ बनाने में मदद मिलती। ले

किन वर्तमान सत्ताधारी पार्टी पर आरोप है कि वह महज कुछ हलकों के लिए चंदे के स्रोत रोकना चाहती है, जबकि अपने सहमना संगठनों के लिए वह इसका रास्ता खुला रखना चाहती है। इसलिए उसकी ये पहल विवादास्पद हो गई है। वरना, हर देश का यह संप्रभु अधिकार है कि वह अपने यहां धन या अन्य माध्यमों से विदेशी हस्तक्षेप को नियंत्रित और विनियमित करे। ऐसा निष्पक्ष रुख एवं अधिकतम सहमति के साथ किया जाए, तो विवाद की संभावना न्यूनतम रहेगी। जबकि पहल के पीछे के इरादे पर शक हो, तो बात बिगड़ जाती है। ऐसा ही इस मामले में हुआ है।

ब्लॉग

तमिलनाडु : थलपति विजय की क्वांटम लीप

डॉ. सुधीर सक्सेना

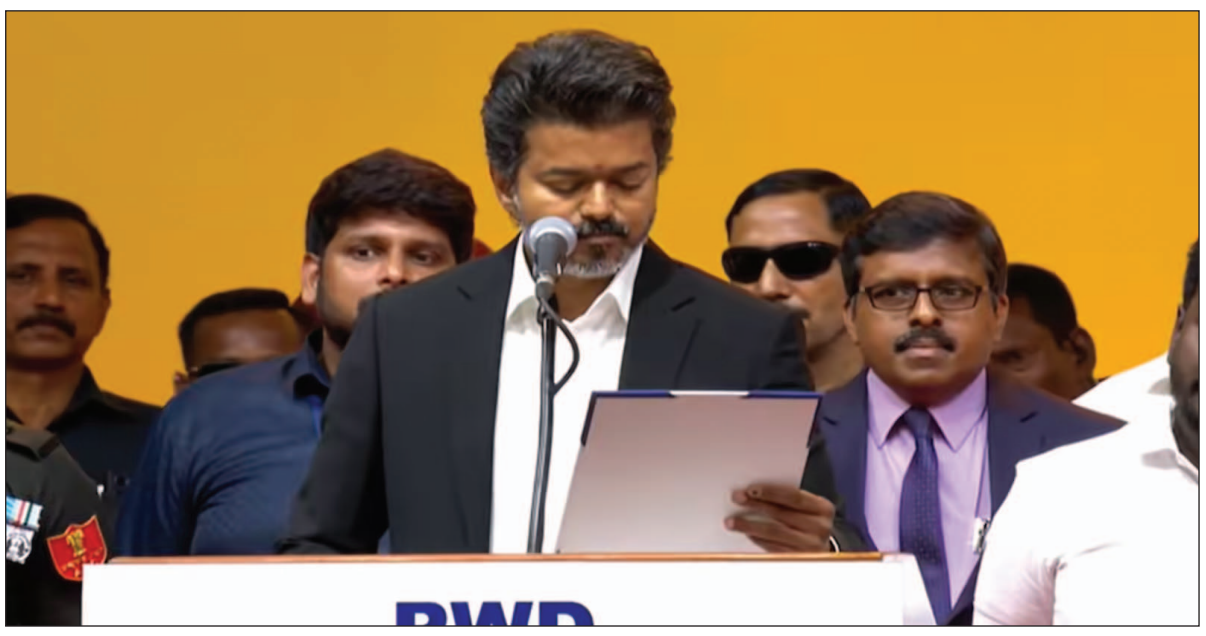

क्वांटम लीप वैज्ञानिक शब्दावली का टर्म है, लेकिन यदि भारतवर्ष की बीती अर्द्धशती की राजनीति का सिंहावलोकन करें तो इस टर्म को दक्षिण भारत की राजनीति के सन्दर्भ में बाखूबी प्रयुक्त किया जा सकता है। दक्षिण भारत के मतदाताओं में सिने-कलाकारों के प्रति गजब का क्रेज है और वहां लंबी नीहारिका है, जिसने राजनीति में चमकीली सफलता अर्जित की। एनटी रामाराव, एमजी रामचंद्रन, जयललिता, करूणानिधि और पवन कल्याण की फेहरिस्त में अब एक नया नाम आ जुड़ा है। यह नाम है विजय थलपति का, जो सिने-स्टारडम से लंबी छलांग लगाकर तमिलनाडु जैसे महत्वपूर्ण प्रांत के मुख्यमंत्री की कुर्सी तक जा पहुंचे हैं। थलपति यानि कमांडर के नाम से विख्यात विजय का पूरा नाम है जोसेफ विजय चंद्रशेखर। अगले माह 22 जून को वह अपने जीवन के बावन वर्ष पूरे कर लेंगे। उनके पिता एसए चंद्रशेखर ईसाई हैं और मां शोभा हिन्दु। यह इसी पृष्ठभूमि का प्रभाव है कि वह मंदिर भी जाते हैं और चर्च भी, साथ ही उन्हें मस्जिद और दरगाह जाने में कोई संकोच नहीं होता। तमिल-सिनेमा से उनका नाता इस नाते पुराना है कि उनके पिता सिने निर्देशक रहे हैं और कांग्रेस के प्रति उनकी रूझान रही है। चेन्नै में जनमे विजय की पढ़ाई भी स्थानीय लोयोला कॉलेज में हुई और उन्होंने शुरूआती डेढ़ दो दशक तक अपना ध्यान पूरी तौर पर फिल्मों पर केंद्रित किया। इसके बाद वह सार्वजनिक जीवन की ओर मुड़े और फैन क्लबों के जरिये उन्होंने सधे हुये कदमों से वह यात्रा शुरू की, जिसकी परिणति चार मई, 26 को उनकी आशातीत राजनीतिक सफलता और उपलब्धि में हुई।

थलपति विजय आज तमिल सिनेमा की सफलतम और शीर्षस्थ कमाऊ सितारों की सूची में शुमार हैं। वह अब तक 69 फिल्मों में लीड-भूमिकाओं में आ चुके हैं और फिल्म में उनकी मौजूदगी टिकट खिड़की पर सफलता की गारंटी मानी जाती है। यदि उनके जीवन-वृत्त को खंगालें तो दिलचस्प तौर पर पिता के प्रोत्साहन और प्रेरणा पर उन्होंने अपना सिनेमाई सफर सन 1984 में तमिल फिल्म वेट्री में बाल कलाकार के तौर पर किया। पिता द्वारा निर्देशित कुछ फिल्मों में बाल भूमिकाएं निभाने के उपरांत 18 वर्ष की वय में 1992 में उन्हें नालैया थीर्पु में नायक की भूमिका निभाने का मौका मिला। तदंतर पूर्व उनक्कगा, लव टुडे, कडलुक्कू मरियाधई, थुल्लथ, मानामम थुल्लम, कुशी, प्रियम्मनावले और फ्रेंड्स आदि ने एक दशक में उन्हें तमिल सिने उद्योग में शिखर पर पहुंचा दिया। इसके बाद के ढाई दशक रूपहले पर्दे पर उनकी धूम की दहाई थी। वह तमिल सिने दर्शकों की पहली पसन्द बनकर उभरे। अंततः सन 2024 में उन्होंने सिनेमा को सायोनारा कह दिया और राजनीति उनका पहला प्रेम बनकर उभरी। दिलचस्प बात है कि इसी साल आई उनकी फिल्म का टाईटिल था ग्रेटेस्ट आफ आल टाइम। मगर उनकी अंतिम फिल्म जन नायगान का रिलीज होना अभी शेष है। फरवरी, सन 2024 में विजय ने अपनी नयी पार्टी लॉंच की। द्रविड़ पार्टियों के वर्चस्व की अर्द्धशती के परिप्रेक्ष्य में यह एक साहसिक कदम था, लेकिन यह साहस उन्हें फला। नयी पार्टी का उन्होंने नाम रखा तमिलगा वेट्री कझगम। बताते हैं कि वह विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन के इच्छुक थे। इसके वास्ते उन्होंने राहुल गांधी से भेंट व चर्चा भी की थी, लेकिन द्रमुक से जारी गठबंधन और स्थानीय ईकाई के परामर्श से वह ऐसा करने से हिचक गये। फलतः कांग्रेस और टीवीके मेल सिरे नहीं चढ़ा।

यह सोचना भ्रामक होगा कि थलपति की सियासी सफलता दो वर्ष की सक्रियता का नतीजा है। इसके पीछे बिलाशक उनके फैन क्लबों की गतिविधियों का हाथ है। थलपति ने सन 2009 में अपने फैन क्लब विजय मक्काल इयक्कम की नींव डाली थी। समय के साथ ये फैन क्लब समूचे तमिलनाडु में ओरछोर फैल गये। इन क्लबों ने राहत कार्यों, शिक्षण, प्रशिक्षण और चैरिटी का काम हाथ में लिया। इसने उनकी सिनेमाई छवि में हातिमताई के रंगे भरे। आपदा पीड़ितों के लिये दरवाजे और थैलियां खोलने ने जननायक की संवदेनशील छवि अर्जित करने में मदद की। इसके बावजूद जब-तब उनकी सियासत में रूचि और रूझान सामने आती रही। सन 2011 के चुनाव में उन्होंने अन्नाद्रमुक-नीत गठबंधन को समर्थन दिया। सन 2019 में उन्होंने नागरिकता अधिनियम का यह कहकर विरोध किया कि इससे सामाजिक-धार्मिक सौमनस्यता पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। सन 2022 में उनके फैन क्लब के सदस्यों ने निकाय चुनावों में शिरकत की और 115 सीटों पर सफलता पाई। उनकी बढ़ती लोकप्रियता प्रमाण 27 सितंबर, 2025 को करूर में तब मिला, जब उनकी रैली में भगदड़ से 41 लोगों की जानें गयीं। इस पर उन्होंने शोक संवेदना व्यक्त की और हताहतों के लिये धनराशि वितरित की।

थलपति विजय की खूबी है कि उन्होंने करीब 85000 फैन क्लबों की मजबूत चुनावी मशीनरी में बदल दिया है। ये क्लब उन्हें कार्यकर्ता, चुनावी भीड़ और समर्थक तो जुटाते ही हैं, उनकी नायक की छवि में निर्मित करते हैं। जब वह भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति की बात करते हैं तो यह छवि उसमें सहायक होती है। उनकी यह इमेज़ दक्षिण भारतीय मतदाताओं की सितारों के प्रति नैसर्गिक चाहत को पोसती है। मान सकते हैं कि सन 2011 में जयललिता को समर्थन की परिणति ने उनके मन में सियासत में शिरकत का बिरवा रोपा था। बहरहाल, ताजा चुनाव में टीवीके की 108 सीटों पर कामयाबी से वह नया इतिहास रचने में सफल रहे हैं। उन्होंने स्वयं दो सीटों पेरांबूर और त्रिची ईस्ट से चुनाव लड़ा और विजयी रहे। यह भी तय है कि बहुमत से कुछ सीटों का फासला पूरने में वह सफल होंगे। तयशुदा है कि दोनों लेफ्ट पार्टियां भी उन्हें समर्थन देंगी। नतीजों के बाद वह राजभवन जाकर सरकार बनाने का दावा जता चुके हैं। कांग्रेस ने समर्थन के साथ यह शर्त जरूर नत्थी की है कि विजय सांप्रदायिक ताकतों से दूरी बरतेंगे, संवैधानिक मूल्यों का पान करेंगे, थंथाई पेरियार के सामाजिक आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता रखेंगें और पेरूंथ लैवर कामराज के गौरवशाली दिनों की वापसी के लिये जतन करेंगे। जहां तक विजय के विचारों की बात है वह स्पष्ट कर चुके हैं कि द्रमुक उनकी राजनीतिक बैरी है और बीजेपी वैचारिक शत्रु। चुनाव प्रचार के दरम्यान उन्होंने इतनी अधिक लोकलुभावन घोषणायें की हैं कि वित्तीय कारणों से उन्हें अमल में लाना कठिन होगा। तमिल मतदाताओं को उनसे उम्मीद इस नाते है कि वह फैन क्लबों के जरिये मुफ्त कैंटीन, कंप्यूटर वितरण, ब्लड डोनेशन और राहत कार्यों का अभियान चलाते रहे हैं। मीडिया की चकाचौंध से बचने के लिये बाज वक्त वह रूमाल से चेहरा ढंककर अथवा दुपहिया वाहन पर बैठकर घटना स्थल पर गये। वह राहुल गांधी ही नहीं अन्ना हजारे और नरेन्द्र मोदी से भी मिल चुके हैं। वह करूणानिधि और एमजीआर के प्रशंसक हैं। सामाजिक न्याय उनके लिए मायने रखता है। कम ही लोगों को ज्ञात होगा कि वह कुशल और पुरस्कृत गायक हैं और इलैयाराजा और एआर रहमान तक के लिए गा चुके हैं। हां, उनका निजी जीवन विवाद और नुक्ताची का शिकर रहा है। उन्होंने सन 1999 में संगीता सोर्नालिंगम से शादी की थी, जो श्रीलंका में जनमी ब्रिटिश तमिल युवती थीं। संगीता ने गत वर्ष उनसे तलाक की अर्जी लगाई है, अलबत्ता उनकी दोनों संतानों से उनके रिश्तों को इससे बूझा जा सकता है कि उनका पुत्र जेसन संजय और पुत्री दिव्या साशा उनके साथ क्रमशः वेट्टेकरन और थेरी में रुपहले पर्दे पर आ चुके हैं। ? 6.25 बिलियन संपत्ति के स्वामी थलपति विजय का तृषा कृष्णन के साथ प्रेम प्रसंग संप्रति लोगों की जुबान पर है, लेकिन आज की राजनीति में नायकों के प्रेम-प्रसंग और विवाहेतर संबं?ध समर्थकों और प्रशंसकों के लिये मायने नहीं रखते, अतः थलपति का पर्फामेन्स ही तय करेगा कि वह राजनीति में कितनी लंबी और कैसी पारी खेलते हैं?

तीसरी कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा की मिली नग्न लाश, मुंह में ठूंसा था कपड़ा

आम लेने के लिए घर से निकली थी

आर्यावर्त संवाददाता

बहराइच। बहराइच में बाग जाने के लिए शुक्रवार सुबह घर से निकली छात्रा रहस्यमय तरीके से गायब हो गई। शनिवार सुबह झाड़ियों से उसका शव मिला। मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ था। शरीर पर कपड़े नहीं थे। दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया है। फॉरेंसिक टीम भी मौके से साक्ष्य जुटा रही है।

एक गांव निवासी छात्रा प्राथमिक विद्यालय में कक्षा तीन में पढ़ती थी। शुक्रवार को छात्रा स्कूल नहीं गई थी। वह सुबह बाग से आम लाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों ने तलाश शुरू की। लेकिन छात्रा का कहीं पता नहीं चला।

परिजनों ने दर्ज कराई थी प्राथमिकी

इस पर परिवार के लोगों ने थाने पर प्राथमिकी दर्ज कराई। परिजनों के साथ ही ग्रामीण और पुलिस लगातार छात्रा की तलाश में जुटे हुए थे। इसी बीच शनिवार सुबह बाग से कुछ दूरी पर स्थित मक्के के खेत से छात्रा का शव मिला।

भारी भीड़ जमा हो गई। छात्रा के मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ था और शरीर पर कपड़े नहीं थे, जिससे ग्रामीणों में गहरा आक्रोश फैल गया। घटना के बाद पूरे गांव में मातम और दहशत का माहौल है, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

एसपी विश्वजीत श्रीवास्तव, एएसपी डीपी तिवारी, क्षेत्राधिकारी महसी पवन कुमार और प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

साथ ही फॉरेंसिक टीम की मदद से भी साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एसपी ने बताया कि पुलिस मामले के हर पहलू की गंभीरता से जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों पर स्थिति स्पष्ट होने की बात कही जा रही है। घटना को लेकर क्षेत्र में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

डीएम पर विवादित टिप्पणी में आजम खां दोषी, दो साल कैद और 20 हजार का लगा जुर्माना

आर्यावर्त संवाददाता

रामपुर। सपा नेता आजम खां को तत्कालीन डीएम पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में रामपुर की कोर्ट ने दो साल की कैद और 20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। यह मामला वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान भोट थाना क्षेत्र में दर्ज किया गया था। आरोप था कि चुनाव प्रचार के दौरान सपा नेता ने तत्कालीन जिलाधिकारी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच के बाद कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। तभी से अदालत में मामले की सुनवाई चल रही थी।

शनिवार को कोर्ट ने सुनवाई पूरी होने के बाद आजम खां को दोषी करार देते हुए दो साल की सजा और 20 हजार रुपये जुर्माना अदा करने का आदेश दिया गया। उधर, सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम के दो पैन कार्ड मामले में सुनाई गई सजा बढ़ाने को लेकर दायर अपील पर शुक्रवार को बचाव पक्ष की ओर से बहस शुरू हुई। बचाव पक्ष की ओर से सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता ने बहस की। उनकी बहस अभी जारी है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 18 मई की तारीख तय की है। सपा नेता अब्दुल्ला आजम के दो पैन कार्ड मामले में मजिस्ट्रेट कोर्ट ने हाल ही में आजम खां और अब्दुल्ला आजम को सात-सात साल की कैद और 50-50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। इस मामले में बचाव पक्ष की ओर से सजा के खिलाफ और अभियोजन पक्ष की ओर से सजा बढ़ाने को लेकर एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में अपील दायर की गई है। एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान एडीजीसी सीमा राणा ने बताया कि सजा बढ़ाने से संबंधित अपील पर बचाव पक्ष की ओर से बहस शुरू कर दी गई है। उनकी बहस अभी पूरी नहीं हुई है। कोर्ट ने अगली सुनवाई 18 मई को निर्धारित की है।

अधिकारी एवं कर्मचारी समय से कार्यालय पहुंचे : डीएम

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में तहसील सदर में कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर प्रेक्षागृह में बेसिक शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, महिला एवं बाल विकास, पशुपालन, मत्स्य, उद्यान, वन, उद्योग, सहकारिता, श्रम, स्वरोजगार, खाद्य एवं रसद, कृषि विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉलों पर बड़ी संख्या में लोग पहुंचे जहां उन्हें विभागीय योजनाओं, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया तथा सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी दी उद्योग विभाग द्वारा स्वरोजगार एवं उद्यम स्थापना से संबंधित योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया गया, जबकि सहकारिता विभाग द्वारा किसानों को सहकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। पशुपालन एवं मत्स्य विभाग द्वारा पशुपालन एवं मत्स्य पालन को बढ़ावा देने हेतु संचालित योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया। जिलाधिकारी के द्वारा आमजनमानस की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया तथा समस्या के समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्र अग्रसारित करते हुए गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि प्रत्येक कार्यालय में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध रहें तथा साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय एवं बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी समय से कार्यालय पहुंचे तथा अनुशासन एवं समयबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने जनसुनवाई को अत्यंत गंभीरता से संचालित करने के निर्देश देते हुए कहा कि समस्त विभागाध्यक्ष प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक प्रभावी रूप से अपने अपने कार्यालयो में जनसुनवाई करें तथा आम जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुनते हुए उनका समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जनसुनवाई, आईजीआरएस एवं सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों को किसी भी दशा में लंबित न रखा जाए तथा शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि कार्यालयों में अनावश्यक भीड़ एकत्र न होने दी जाए तथा आगंतुकों एवं फरियादियों के साथ शालीन व्यवहार किया जाए।

चिलचिलाती धूप और उमस से जनमानस बेहाल

जौनपुर। जिले में भीषण गर्मी का प्रकोप कम होने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को लगातार तीसरे दिन अधिकतम पारा 44 डिग्री रहा। न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी जारी रही और एक डिग्री ऊपर चढ़कर 27 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। बाहर चिलचिलाती धूप और घर व दफ्तरों के अंदर उमस ने लोगों का चैन छीन लिया। पंखे व कूलर के सामने बैठे रहने पर भी पसीना नहीं सूखा। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक फिलहाल प्रचंड गर्मी से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। सुबह से ही गर्मी ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए। सूरज की गर्म किरणें बदन में चुभने लगीं। तपिश से आम जनमानस बुरी तरह बेहाल नजर आया। दोपहर होते-होते तेज धूप व 13 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलने वाली गर्म हवा कहर ढाने लगी। भीषण गर्मी से बेचैन लोग बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा सके। इसके चलते दोपहर को शहर की प्रमुख बाजार व चैराहों पर सन्नाटा पसरा दिखाई दिया। जरूरी काम से निकले लोग गर्मी में पसीना-पसीना होकर छांव तलाशते रहे।

आंधी में उड़ने वाले नन्हे मियां से मिले प्रभारी मंत्री, कहा- जाको राखे साइयां मार सके न कोय

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। बरेली के आंवला तहसील परिसर में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सहकारिता विभाग व जिले के प्रभारी जेपीएस राठौर ने आपदा प्रभावित परिवारों को सहायता राशि के प्रतीकात्मक चेक बांटे। इस दौरान वह पीड़ित नन्हे मियां से भी मिले। नन्हे मियां बुधवार को आई तेज आंधी में 50 फुट ऊंचाई तक उड़ गए थे और मक्का में खेत में गिरे थे। इससे वह घायल हो गए।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर घटना के मात्र 24 घंटे के भीतर सहायता राशि सीधे पीड़ितों के बैंक खातों में भेज दी गई, जबकि पिछली सरकारों में इसके लिए पीड़ितों को चप्पलें घिसनी पड़ती थीं। प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार पीड़ितों के साथ खड़ी है। केंद्र व प्रदेश में सरकार आने के बाद हमने गरीब परिवारों को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई गई हैं। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता का ही परिणाम है कि आज जनधन योजना के तहत खोले गए खाते में सरकार की ओर से भेजी गई पूरी सहायता राशि पहुंच रही है। कांग्रेस सरकार में 100 में से 15 रुपये ही मिल पाते थे।

पीड़ितों को दिए प्रतीकात्मक चेक

प्रभारी मंत्री ने जनहानि होने पर बेहटा जुनु की पुष्पा देवी और हर्रामपुर के राजेश कुमार को चार-चार लाख रुपये के प्रतीकात्मक चेक सौंपे। आपदा में घायल होने पर राजकुमार, अशोक कुमार, गुलशन को आठ-आठ हजार के प्रतीकात्मक चेक दिए। कृषक दुर्घटना योजना के तहत फूलवती, उर्मिला, नवीता, कन्यावती, चांदनी, महिपाल, वरफा देवी को पांच-पांच लाख रुपये के चेक सौंपे।

नन्हे मियां को दी सहायता राशि

प्रभारी मंत्री ने गांव बमियाना के पीड़ित नन्हे मियां को 11 हजार रुपये नकद दिए। उनके प्रकरण पर कहा कि जाको राखे साइयां मार सके न कोय...। मकान क्षति के 30 पीड़ितों को कुल 1,62,000 रुपये और पशु हानि के नौ पीड़ितों को भी सहायता राशि वितरित की गई। डरूआपुर गांव में जिन 10 किसानों की गेहूं की फसल खाक हुई थी, उन्हें कुल 2,29,973 रुपये की सहायता राशि दी गई।

क्षत्रिय समाज से सामूहिक एकता लाने का आह्वान

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा राष्ट्र गौरव महाराणा प्रताप जयंती और सम्राट पृथ्वीराज चैहान जयंती मनाएगी। यह आयोजन रविवार को सिद्धिकपुर के एक स्कूल मैदान में प्रतिभा सम्मान समारोह के रूप में होगा। उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।उनके साथ विधायक अभय सिंह और विधायक राकेश सिंह सहित अन्य क्षत्रिय विधायक भी उपस्थित रहेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सांसद कुँवर हरिबंश सिंह ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य महापुरुषों को याद करना और समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करना है।उन्होंने क्षत्रिय समाज से सामूहिक एकता लाने का आह्वान किया। कुंवर हरिबंश सिंह ने जोर दिया कि यदि क्षत्रियों को अपने हक और अधिकार चाहिए तो उन्हें एकजुट होना होगा। उन्होंने सभी से रविवार को महापुरुषों को याद करने और उन्हें नमन करने की अपील की।पूर्व सांसद ने क्षत्रिय धर्म के लोगों की सहन शक्ति पर भी विचार व्यक्त किए और सच सुनने व बोलने की आदत डालने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज देश में कोई भी पार्टी क्षत्रियों और अगड़े समाज की अनदेखी कर सत्ता में नहीं आ सकती। उन्होंने मत विभाजन को रोकने और संगठित होकर समाज को शासन-सत्ता में एक स्थान दिलाने की आवश्यकता पर बल दिया। सिंह ने यूजीसी कानून वापस लेकर सरकार से समानता लाने और भेदभाव समाप्त करने की मांग की।उन्होंने मनुष्य की सुख, शांति, स्वास्थ्य, शक्ति, समृद्धि, प्रेम और आनंद की सदियों पुरानी तलाश का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जिन्होंने जीवन में सत्य को जाना है।

यौन शोषण और मानव तस्करी में पांच पर केस

जौनपुर। खुटहन थाना क्षेत्र में एक 14 वर्षीय किशोर के यौन शोषण और मानव तस्करी के मामले में बड़ा मोड़ आया है। अपर सत्र न्यायाधीश उमेश कुमार द्वितीय के आदेश पर एक युवती सहित पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इन पर संगठित हनी ट्रैप और ब्लैकमेलिंग गिरोह चलाने का आरोप है।यह कार्रवाई तब हुई जब पुलिस द्वारा सुनवाई न करने के बाद किशोर की मां ने अधिवक्ता विवेक रंजन तिवारी के माध्यम से कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया। प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया था कि आरोपी एक संगठित गिरोह बनाकर भोले-भाले युवकों को प्रेम जाल में फंसाते हैं।गिरोह का उद्देश्य उनसे धन उगाही करना और झूठे दुराचार के मुकदमों में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेल करना है। इसके अलावा, गिरोह पर मासूम लड़के-लड़कियों की मानव तस्करी में भी शामिल होने का आरोप है।शिकायत के अनुसार, इंटरनेट मीडिया के जरिए 14 वर्षीय किशोर का संपर्क 21 वर्षीय युवती से हुआ था।

महिलाओं ने पति के लिए किया वट वृक्ष की पूजा

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जिले में महिलाओं ने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखा है। सुबह से पहुंचकर वट वृक्ष की पूजा अर्चना कर पति की लंबी उम्र की कामना की है। सावित्री को भारतीय संस्कृति में आदर्श नारी और पतिव्रता के लिए ऐतिहासिक चरित्र माना जाता है। पति के प्राणों की रक्षा के लिए वह यमराज के पीछे पड़ गईं और अपने पति को जीवन दान देने के लिए विवश कर दिया। इस वजह से हर वर्ष ज्येष्ठ अमावस्या के दिन वट सावित्री व्रत रखा जाता है। हिंदू विवाहित महिलाएं अपने पति की लम्बी उम्र के लिए वट सावित्री का व्रत रखती हैं। महिलाओं ने बताया कि पुराणों के अनुसार वट वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों देवताओं का वास है। इसके नीचे बैठकर पूजन, व्रत और कथा सुनने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। भगवान बुद्ध को इसी वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ था। इसलिए वट वृक्ष को ज्ञान, निर्वाण और दीर्घायु का पूरक माना गया है।षहर व देहाद क्षेत्र में महिलाएं व्रत-पूजन कर कथा के साथ-साथ वट वृक्ष के आसपास सूत का धागा परिक्रमा के दौरान वट वृक्ष में लपेटती हैं, जिसे रक्षा कहा जाता है। साथ ही पूजन के बाद अपने पति को रोली और अक्षत लगाकर चरणस्पर्श कर प्रसाद वितरित करती हैं।

'पापा उठ जाओ ...इन्हें कहां लेकर जा रहे हो', मासूम बेटी पूछती रही ये सवाल; भाजपा नेता समेत 3 दोस्तों की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ के मेडिकल थाना इलाके के उत्तराखंड कालोनी निवासी भाजपा युवा मोर्चा के जागृति विहार मंडल अध्यक्ष विशांत त्यागी समेत उनके दो दोस्तों बुलंदशहर निवासी मिथुन चौहान व लवि चौहान की हापुड़ में सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई, जबकि चौथा साथी ललित चौहान जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है।

बृहस्पतिवार रात भाजपा नेता का शव घर पहुंचा तो पूरा माहौल चीख-पुकार और मातम से भर गया। सबसे दर्दनाक दृश्य उस वक्त सामने आया, जब शुक्रवार सुबह परिजन भाजपा नेता की चिता को सूरजकुंड ले जाने की तैयारी कर रहे थे, तब उनकी चार साल की बेटी रोहताक्षी ने कहा कि पापा उठ जाओ... मेरे पापा को कहां लेकर जा रहे हो। यह दृश्य देखकर लोगों की आंखें भर आई। बागपत जनपद के पांची गांव निवासी राजेंद्र त्यागी लगभग 12 वर्ष से अपने परिवार के साथ गढ़ रोड की उत्तराखंड कॉलोनी में रह रहे हैं। परिवार में पत्नी राजेश, तीन बेटे कपिल, मोहित व विशांत के अलावा दो बेटी राखी व ज्योति हैं। भाजपा नेता विशांत की शादी लगभग 10 वर्ष पूर्व खजूरी गांव निवासी साक्षी से हुई थी। भाजपा नेता के एक चार वर्ष की बेटी रोहताक्षी है। भाजपा नेता का एक भाई मोहित एक प्राइवेट कंपनी और कपिल उत्तराखंड में काम करते हैं। विशांत त्यागी भाजपा युवा मोर्चा जागृति विहार मंडल के अध्यक्ष थे। साथ ही एक बैंक में कार्यरत थे। बृहस्पतिवार रात परिजनों पर सड़क हादसे की सूचना पहुंची। इसके बाद परिजन हापुड़ के लिए रवाना हो गए। परिजन रात में ही भाजपा नेता का शव लेकर मेरठ पहुंचे। घर के बाहर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। परिवार में मातम पसरा है। शुक्रवार शाम सूरजकुंड श्मशान घाट पर भाजपा नेता का अंतिम संस्कार किया गया। इसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। अंतिम यात्रा में पूरे इलाके में शोक और सन्नाटा पसरा रहा। वहीं दोनों युवकों के शव परिजन देर रात उनके पैतृक गांव पहुंचे। तीनों दोस्तों की सड़क हादसे में मौत की सूचना मिलने के बाद परिजनों का रोकर बुरा हाल हो गया। भाजपा नेता के शव को देखकर पत्नी साक्षी बेसुध हो गई। रिश्तेदारों ने किसी तरह पत्नी को संभाला। बेटी बार-बार पिता को उठाने की कोशिश करती रही और मासूमियत से पूछती रही, पापा उठ क्यों नहीं रहे हैं। मिथुन, ललित व लवि लगभग आठ वर्ष पूर्व मेरठ आ गए थे। विशांत त्यागी ने ही उत्तराखंड कॉलोनी में अपने दोस्तों को किराए का मकान दिलाया था। मिथुन व ललित ने गढ़ रोड पर एक निजी अस्पताल व पैथोलॉजी लैब खोल ली थी। वहीं लवि एक अकाउंटेंट के पास काम कर रहे थे। शाम को काम से समय निकालने के बाद चारों दोस्त रोजाना मिलते थे। दोस्तों की गहरी दोस्ती इलाके में चर्चा का विषय थी, लेकिन सड़क हादसे ने सब कुछ खत्म कर दिया। हापुड़ के बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र के गांव डेहरा रामपुर के पास बृहस्पतिवार देर रात तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर कई बार पलटने के बाद सड़क किनारे लगे ईंटों के ढेर से टकरा गई। हादसे में तीन युवकों मिथुन चौहान (37) निवासी गांव अल्लीपुर, विशांत त्यागी (32) निवासी उत्तराखंड कॉलोनी जागृति विहार मेरठ व लवी चौहान (26) निवासी गांव हाजीपुर बुलंदशहर की मौत हो गई। एक युवक गंभीर रूप से घायल है। पुलिस के अनुसार, बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र के गांव अल्लीपुर निवासी मिथुन पुत्र कमल सिंह मेरठ के सोहराबगेट में पैथलॉजी लैब चलाते थे। बाकी साथी भी वहीं काम करते थे। बृहस्पतिवार को विशांत त्यागी अपनी कार से मिथुन, लवी व ललित चौहान निवासी गांव हाजीपुर के साथ बुलंदशहर के स्याना में एक दोस्त की शादी में शामिल होने गए थे। देर रात कार्यक्रम समाप्त होने के बाद चारों दोस्त मेरठ लौट रहे थे। बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र के गांव वैठ-कुटी मार्ग पर गांव डेहरा रामपुर स्थित आंबेडकर भवन के पास तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई और सड़क किनारे लगे ईंटों के ढेर से जा टकराई।

अनूठी मिसाल... एक किचन में बनता है 52 लोगों का खाना, साढ़े तीन घंटे में तैयार होता है भोजन

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। बदलते समय के साथ जहां परिवारों में विघटन की समस्या बढ़ी है, वहीं काशी का मौर्य परिवार आज भी संयुक्त परिवार की मिसाल है। इस परिवार की खासियत यह है कि यहां हर दिन एक ही चूल्हे पर 52 लोगों का खाना बनता है। परिवार की मुखिया के इस आदेश का सभी पालन करते हैं। करीब साढ़े तीन घंटे में भोजन तैयार हो जाता है। घर की महिलाएं हर दिन 300 रोटियां बनाती हैं, जबकि करीब पांच किलोग्राम चावल पकता है। परिवार में 10 लीटर दूध की चाय बनती है।

संयुक्त परिवार के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से हर वर्ष 15 मई को विश्व परिवार दिवस मनाया जाता है। मौर्य परिवार की बात करें तो परिवार के सबसे वरिष्ठ सदस्य ओमप्रकाश मौर्य के निधन के बाद उनकी पत्नी और घर की सबसे वरिष्ठ सदस्य लालमनी देवी के मार्गदर्शन में पूरा परिवार संचालित हो रहा है।

मकान में हैं 40 कमरे

परिवार के सभी सदस्यों की अपनी-अपनी जिम्मेदारियां हैं, जिनका वे बखूबी निर्वहन करते हैं। अकथा स्थित मकान में 40 से अधिक कमरे हैं और एक बड़ा डायनिंग हॉल भी है, जहां परिवार के सदस्य सामूहिक रूप से नाश्ता और भोजन करते हैं। सबसे खास बात यह है कि खाने का मेन्यू भी घर की मुखिया के निर्देश पर ही तय होता है। पूरा परिवार शाकाहारी है और नवरात्र में बिना लहसुन-प्याज के भोजन बनाया जाता है। ऐसे संयुक्त परिवार अब कम ही देखने को मिलते हैं।

> **घर में सदस्यों की संख्या - 52**
>
> **हर दिन बनने वाली रोटियां - 300**
>
> **चावल - करीब 5 किलोग्राम**
>
> **चाय के लिए दूध - 10 लीटर**

सुबह 6 बजे से नाश्ता बनना शुरू हो जाता है

मौर्य परिवार के सदस्य और अशोका इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, पहड़िया के वाइस चेयरमैन अमित मौर्य का कहना है कि एक समय का भोजन तैयार होने में करीब साढ़े तीन घंटे लगते हैं। मम्मी, चाची और भाभियां मिलकर पूरा काम संभालती हैं। हर दिन बच्चों के स्कूल जाने के बाद सुबह 6 बजे से नाश्ता और भोजन बनना शुरू होता है, जो सुबह 9:30 बजे तक तैयार हो जाता है। वहीं रात के भोजन के लिए शाम 3:30 बजे से किचन में काम शुरू हो जाता है और रात 7 बजे तक खाना तैयार हो जाता है। भोजन तैयार होने के बाद सबसे पहले घर के बच्चे शाम 7 से 8 बजे तक एक साथ टेबल पर खाना खाते हैं। इसके बाद घर की महिलाएं और फिर चाचा, पापा और सभी भाई मिलकर भोजन करते हैं। चाहे किसी के पास कितनी भी व्यस्तता हो, लेकिन भोजन के समय सभी लोग एक साथ जरूर मिलते हैं। रात 10 बजे तक सभी का भोजन पूरा हो जाता है।

षहर के नाला नालों की सफाई समय से करायें: प्रभारी मंत्री

जौनपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा जनपद के भ्रमण पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने निरीक्षण भवन पहुंचकर शासन-प्रशासन, सांसद, विधायक एवं जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर जिले की स्थिति एवं विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की। अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि बीते दो दिनों में आए आंधी-तूफान का जिले में व्यापक प्रभाव नहीं पड़ा है। हालांकि कुछ स्थानों पर पेड़ गिरने के कारण बिजली के खंभों एवं ट्रांसमिशन लाइनों को क्षति पहुंची है, जिसे संबंधित विभागों द्वारा लगातार ठीक कराया जा रहा है। प्रशासन की ओर से किसी प्रकार की जनहानि अथवा पशुहानि की सूचना प्राप्त नहीं हुई है। श्री शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आंधी, तूफान, बारिश एवं ओलावृष्टि के मौसम को देखते हुए आपदा प्रबंधन टीम को पूरी तरह सक्रिय रखा जाए, ताकि किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन पहले से तैयार रहे।

विशेषज्ञों की सलाह 4-डे वर्किंग कल्चर अपनाएं कंपनियां, इस जानलेवा समस्या से निपटने के लिए जरूरी

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की रिपोर्ट बताती है कि रोजाना लंबे समय तक बैठने वालों में हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर और मोटापे का खतरा अधिक हो सकता है। ऑफिस जॉब करने वालों में इसका जोखिम और बढ़ जाता है। इन्हीं खतरों को देखते हुए अब विशेषज्ञ सप्ताह में चार वर्किंग डे करने की सलाह दे रहे हैं।

सुबह जल्दी उठकर ऑफिस पहुंचना, घंटों कुर्सी पर बैठकर लैपटॉप की स्क्रीन से चिपके रहना, मीटिंग्स का दबाव और देर रात तक काम, ये सब मौजूदा समय का आम वर्किंग कल्चर बन गया है। नौकरी की डिमांड के हिसाब से ये जरूरी भी है, पर क्या आप जानते हैं कि ये आदतें आपकी सेहत के लिए इतने बड़े खतरे को न्योता दे रही हैं जिसका ज्यादातर लोगों को अंदाजा तक नहीं होता है।

विशेषज्ञ कहते हैं, लॉन्ग वर्किंग ऑवर्स यानी दिन में 8-10 घंटे काम और लगातार बैठे रहने की आदत धीरे-धीरे शरीर को बीमार बना रही है। लिहाजा मोटापा, हाई ब्लड प्रेशर, तनाव, डिप्रेशन, डायबिटीज और हृदय रोग जैसी समस्याएं अब युवाओं में तेजी से बढ़ती देखी जा रही हैं।

अध्ययनों से पता चलता है कि रोजाना 8-10 घंटे तक लगातार बैठकर काम करने वालों में मोटापे का खतरा कहीं ज्यादा देखा जा रहा है। इसके अलावा ऑफिस के काम के चलते बढ़ता स्क्रीन टाइम और शारीरिक गतिविधि कम होने से शरीर की कैलोरी बर्न करने की क्षमता घटती है। ये सभी गंभीर बीमारियों को बढ़ाने वाली मानी जाती हैं। इन्हीं जोखिमों को कम करने के लिए अब विशेषज्ञ पांच की जगह चार-दिवसीय कार्य सप्ताह की सलाह दे रहे हैं।

आइए जानते हैं इसके पीछे का क्या तर्क है और क्या ये वास्तव में फायदेमंद साबित हो सकता है?

मोटापा और बीमारियों को कम करने के लिए सप्ताह में 4 दिन काम

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कर्मचारियों में बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं, विशेषतौर पर मोटापे के खतरे को देखते हुए हफ्ते में 5 की जगह 4 वर्किंग डे करने पर विचार किया जाना चाहिए। कमर पर बढ़ती चर्बी और तनाव के स्तर को कम करने की दिशा में ये बदलाव काफी महत्वपूर्ण हो सकता है। इससे स्वास्थ्य सेवाओं पर बीमारियों का बोझ काफी कम किया जा सकता है।

एक नए शोध में पाया गया है कि जिन देशों में काम करने के घंटे यानी कि वर्किंग ऑवर्स ज्यादा होते हैं, वहां कर्मचारियों में मोटापे की दर भी सबसे ज्यादा देखी जाती है।

भले ही ऐसे लोगों का खान-पान ठीक हो पर लंबे समय तक काम करने के चलते मोटापे का खतरा बढ़ जाता है।

विशेषज्ञ अब इन खतरों को देखते हुए यूके में हफ्ते में चार दिन काम शुरू करने के लिए सरकार पर फिर से दबाव डाल रहे हैं। दावा है कि यह मोटापे की बढ़ती दरों को कम करने में मददगार हो सकता है।

कई देश पहले से अपना रहे हैं 4-डे वर्किंग कल्चर

ऐसी पहली बार नहीं है जब 4-डे वर्किंग कल्चर की मांग उठी है।

संयुक्त अरब अमीरात में संघीय सरकार और कई निजी क्षेत्र 4.5 दिन के छोटे कार्य-सप्ताह (जो शुक्रवार को दोपहर में समाप्त होता है) पर काम करते हैं।

इसके अलावा, शारजाह ने स्थानीय सरकारी कर्मचारियों के लिए अनिवार्य 4-दिन का कार्य-सप्ताह लागू किया है।

जापान में भी सरकार ने कंपनियों को स्वेच्छा से 4-दिन का कार्य-सप्ताह अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया है, ताकि काम और निजी जीवन के बीच संतुलन बेहतर हो सके।

हालांकि विशेषज्ञों की इस सलाह पर आलोचकों का कहना है कि पांच दिन की सैलरी पर चार दिन काम करने का नियम बनाना टिकाऊ नहीं है। इससे इनकम कम हो जाती है।

तो क्या सच में 4-डे वर्किंग प्रोडक्टिविटी बढ़ा सकता है और इससे सेहत को लाभ हो सकता है?

इस विषय को लेकर ऑस्ट्रेलियाई रिसर्चर्स का मानना है कि ऐसा हो सकता है। उन्होंने पाया है कि सालाना काम के घंटों में सिर्फ 1 प्रतिशत की कमी करने से मोटापे की दर में 0.16 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। इससे दिल की बीमारी, डायबिटीज, डिमेंशिया, कुछ खास तरह के कैंसर का खतरा भी कम किया जा सकता है।

अध्ययन में क्या पता चला?

इस रिपोर्ट को इस्तांबुल में 'यूरोपियन कांग्रेस ऑन ओबेसिटी' में पेश किया गया। इसमें साल 1990 से 2022 के बीच 33 देशों में काम करने के तरीकों और मोटापे की दरों की तुलना की।

अमेरिका, मेक्सिको और कोलंबिया जैसे देश जहां आम तौर पर काम के घंटे ज्यादा होते हैं, वहां मोटापे की दर नॉर्डिक देशों (डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे और स्वीडन) की तुलना में ज्यादा हैं, जहां काम के दिन कम होते हैं।

यूके मोटापे की दर के मामले में नौवें स्थान पर रहा, लेकिन काम के घंटों के मामले में 24वें स्थान पर, जहां एक औसत वयस्क साल में 1,505 घंटे काम करता है। भारत में अभी भी ज्यादातर कंपनियां 6 जबकि कुछ 5 वर्किंग डे पर काम करती हैं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों ने यह निष्कर्ष निकाला कि पूरा समय ऑफिस में निकल जाने के कारण लोगों के पास जिम-व्यायाम का समय नहीं निकल पाता और काम से जुड़ा तनाव भी मोटापे को बढ़ाता जा रहा है। काम के घंटों में 20 प्रतिशत की कटौती, यानी चार दिन का हफ्ता इस खतरे को काफी हद तक कम कर सकता है।

लंबे समय तक काम करने से तनाव वाला हार्मोन 'कोर्टिसोल' बढ़ सकता है, जिसका संबंध वजन बढ़ने से है।

जब लोगों की जिंदगी ज्यादा संतुलित होती है, तो उन्हें तनाव कम होता है, वे ज्यादा पौष्टिक खाने पर ध्यान दे पाते हैं और ज्यादा समय शारीरिक गतिविधियों के लिए निकाल पाते हैं।

इससे मोटापे का खतरा तो कम होता ही है साथ ही मोटापे के कारण होने वाली डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, हृदय रोग जैसी बीमारियों का जोखिम भी घटता है।

4-डे वर्किंग कल्चर फायदेमंद हो सकता है, लेकिन क्या संस्थाएं इसे लागू करती हैं, ये बड़ा सवाल है।

तेज धूप से हो गई है टैनिंग तो ये एक नुस्खा आजमा लें, चमक जाएंगे हाथ!

अगर आपके हाथ और चेहरे पर भी काफी ज्यादा टैनिंग हो गई है तो आपको घरेलू नुस्खे आजमाने की जरूरत है। अगर आपको इन नुस्खों की जानकारी नहीं है, तो यहां हम आपको एक सिंपल हैक बताएंगे।

गर्मियों के मौसम में तेज धूप और प्रदूषण की वजह से चेहरे, हाथों और पैरों पर टैनिंग की समस्या आम हो जाती है। लंबे समय तक धूप में रहने से त्वचा अपनी प्राकृतिक चमक खोने लगती है और स्किन का रंग काला या बेजान दिखाई देने लगता है।

कई लोग टैनिंग हटाने के लिए महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन कई बार इनका असर ज्यादा नहीं दिखता। ऐसे में घरेलू नुस्खे बेहद फायदेमंद साबित हो सकते हैं। घर में मौजूद प्राकृतिक चीजों की मदद से त्वचा की टैनिंग को कम किया जा सकता है और स्किन को फिर से ग्लोइंग बनाया जा सकता है।

खास बात यह है कि ये घरेलू उपाय आसान, सस्ते और केमिकल फ्री होते हैं। अगर आपके चेहरे और हाथों पर भी जिद्दी टैनिंग हो गई है, तो यहां हम आपको एक सिंपल और असरदार हैक बता रहे हैं, जिसे अपनाकर आप कुछ ही दिनों में फर्क महसूस कर सकते हैं।

अगर आप प्राकृतिक तरीके से टैनिंग हटाना चाहते हैं, तो दही और बेसन का घरेलू नुस्खा बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। दही में लैक्टिक एसिड पाया जाता है, जो त्वचा की गहराई से सफाई करने में मदद करता है। यह डेड स्किन सेल्स को हटाकर स्किन को साफ और मुलायम बनाता है।

वहीं बेसन एक नेचुरल एक्सफोलिएटर की तरह काम करता है, जो त्वचा पर जमा गंदगी और अतिरिक्त तेल को हटाने में मदद करता है। इन दोनों का मिश्रण त्वचा की टैनिंग कम करने के साथ-साथ प्राकृतिक निखार भी लौटाने में मदद करता है।

कैसे बनाएं फेस पैक?

इस घरेलू फेस पैक को बनाने के लिए एक कटोरी में 2 चम्मच बेसन लें और उसमें 1 से 2 चम्मच ताजा दही मिलाएं। अगर चाहें तो इसमें कुछ बूंदें गुलाब जल या आधा चम्मच शहद भी मिला सकते हैं। अब इस मिश्रण को अच्छी तरह फेंटकर स्मूद पेस्ट तैयार कर लें। इसके बाद इसे चेहरे, गर्दन, हाथों या टैनिंग वाली जगह पर समान रूप से लगाएं।

पेस्ट लगाने के बाद इसे करीब 15 से 20 मिनट तक सूखने दें। जब पैक हल्का सूख जाए तो हल्के हाथों से मसाज करते हुए ठंडे पानी से धो लें। इससे त्वचा पर जमी गंदगी साफ होती है और स्किन फ्रेश महसूस होती है। इस नुस्खे का इस्तेमाल हफ्ते में 2 से 3 बार किया जा सकता है। नियमित उपयोग से त्वचा का रंग साफ नजर आने लगता है और टैनिंग धीरे-धीरे कम होने लगती है।

पैच टेस्ट अवश्य करें

दही और बेसन का यह नुस्खा न केवल टैनिंग हटाने में मदद करता है बल्कि त्वचा को ठंडक पहुंचाने और नsचुरल ग्लो बढ़ाने में भी असरदार माना जाता है। खास बात यह है कि यह घरेलू उपाय पूरी तरह प्राकृतिक है और इसमें किसी तरह के हानिकारक केमिकल का इस्तेमाल नहीं होता। हालांकि संवेदनशील त्वचा वाले लोगों को इसे इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूर कर लेना चाहिए।

फ्रिज में रखें आटे की रोटी खाना सही या गलत?

आजकल लोगों के पास समय की काफी कमी है। यही वजह है कि अक्सर लोग आटा गूंद कर फ्रिज में रख देते हैं और कई टाइम उसी आटे की रोटी बनाकर खाते हैं। कई घरों में रात का बचा आटा इस्तेमाल किया जाता है। तो कहीं 2 दिन तक आटा फ्रिज में रखकर बार-बार उसकी रोटी बनाई जाती है। लेकिन क्या फ्रिज में आटा स्टोर करना सही तरीका है? इसको लेकर अक्सर लोगों के मन में सवाल रहता है। कुछ लोगों का मानना है कि 1 दिन तक फ्रिज में आटा रखने का कोई नुकसान नहीं होता है। वहीं कुछ लोगों को कहना है कि आटे को कुछ घंटे बाद भी रखकर इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

अब ऐसे में कौन सी बात सच है ये तो एक्सपर्ट ही बता सकते हैं। चलिए इस आर्टिकल में हम आपको बताते हैं कि क्या वाकई आटे को फ्रिज में स्टोर करके नहीं रखना चाहिए। अगर हां तो इसके क्या नुकसान हो सकते हैं। साथ ही ये भी जानेंगे कि आटे को फ्रिज में कितनी देर तक रखना सेफ माना जाता है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

एक्सपर्ट के मुताबिक, ज्यादा समय तक फ्रिज में रखा आटा बैक्टीरिया और फंगस के संपर्क में आ सकता है, जिससे पाचन संबंधी समस्याएं होने का खतरा बढ़ जाता है। हालांकि अगर आटे को सही तरीके से और सीमित समय तक स्टोर किया जाए, तो इसे इस्तेमाल करना सुरक्षित माना जाता है ऐसे में यह समझना जरूरी है कि फ्रिज में रखा आटा कितने समय तक ठीक रहता है। चलिए जानते हैं एक्सपर्ट इसको लेकर क्या टिप्स देते हैं।

फ्रिज में रखा आटा कितनी देर रहता है सेफ?

फिटनेस कोच प्रियांक ने बताया है जब हम आटे को फ्रिज में रखते हैं तो हमें लगता है कि वह पूरी तरह सुरक्षित रहता है, लेकिन ऐसा पूरी तरह सच नहीं है। फ्रिज की ठंडक आटे में होने वाले फर्मेंटेडेट प्रोसेस को रोकती नहीं, बल्कि सिर्फ स्लो कर देती है। आटे में मौजूद यीस्ट और बैक्टीरिया कम स्पीड में काम करते रहते हैं। धीरे-धीरे ये आटे के अंदर गैस यानी कार्बनडाइऑक्साइड बनाते रहते हैं। इसी वजह से 24 घंटे बाद आटे का स्वाद, स्मेल और टेक्सचर बदलने लगता है। आटा ज्यादा खट्टा, चिपचिपा या ढीला महसूस हो सकता है। इसलिए लंबे समय तक फ्रिज में रखे आटे की रोटी खाने की सलाह नहीं दी जाती है।

फ्रिज में रखे आटे की रोटी खाने के नुकसान

अगर आप 24 घंटे से ज्यादा फ्रिज में रखे आटे की रोटी खाते हैं तो इसके कुछ नुकसान हो सकते हैं। जैसे इससे पेट से जुड़ी समस्याओं का खतरा सबसे ज्यादा रहता है, जिसमें गैस और ब्लोटिंग सबसे आम है। क्योंकि रखे हुए आटे की रोटी सॉफ्ट नहीं बनती है जिससे इसे पचाने में ज्यादा मेहनत लगती है। इसके अलावा रखे हुए आटे के न्यूट्रिशन भी कम हो जाते हैं। ऐसे में इसे खाने से पेट को जरूर भर जाता है। लेकिन जरूरी न्यूट्रिशन नहीं मिल पाते हैं। वहीं सबसे बड़ा खतरा है ब्लड शुगर का। क्योंकि फ्रिज में रखे आटे में स्टार्च तेजी से कम होता है जो शुगर स्पाइक कर सकता है। ऐसे में शुगर पेशेंट को तो कभी भी रखे हुए आटे की रोटी नहीं खानी चाहिए।

बैंकों ने कंजूसी दिखाई? आरबीआई के रेट कट के बावजूद नहीं कम हुईं लोन ईएमआई

वित्त वर्ष 2026 (FY26) में भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा रेपो रेट में की गई कटौती का लाभ बैंकों ने उधारकर्ताओं को पूरी तरह से नहीं दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, बैंकों ने अपनी उधारी दरों में कमी तो की है, लेकिन यह RBI द्वारा की गई कटौती के अनुपात में काफी कम है। बैंकों द्वारा फंड की कॉस्ट और डिपॉजिट रेट्स में बैलेंस बनाने की कोशिशों के कारण ब्याज दरों में कटौती का ट्रांसमिशन धीमा रहा है।

बैंक ऑफ बड़ौदा की एक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा की गई ब्याज दर में कटौती का फायदा उधार लेने वालों को सिर्फ आंशिक रूप से ही मिला। उधार देने की दरें तो कम हुईं, लेकिन उतनी नहीं जितनी पॉलिसी दर में कटौती की गई थी। रिपोर्ट में बताया गया है कि RBI ने फरवरी 2025 से रेपो दर को 6.50 फीसदी से घटाकर 5.25 फीसदी कर दिया, जो कि 125 बेसिस पॉइंट्स की कटौती थी। इसका उद्देश्य उधार लेने की कॉस्ट को कम करना और निजी निवेश को बढ़ावा देना था।

हालांकि, इस दर कटौती का वास्तविक उधार दरों में असर पूरे बैंकिंग सिस्टम में एक जैसा नहीं रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि साल के दौरान उधार लेने की कॉस्ट में कमी तो आई, लेकिन उतनी नहीं जितनी रेपो दर में 125 बेसिस पॉइंट्स की कटौती हुई थी। रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र किया गया है कि बैंकों ने संतुलन बनाए रखने के लिए डिपॉजिट रेट्स में भी कटौती की, जिसका असर मार्जिनल कॉस्ट ऑफ़ फंड्स-बेस्ड लेंडिंग रेट (MCLR) जैसे उधार बेंचमार्क पर पड़ा।

सिर्फ 0.93 फीसदी की हुई कटौती

रिपोर्ट के अनुसार, नए कर्जों पर वेटेड एवरेज लेंडिंग रेट्स में 93 बेसिस पॉइंट्स की गिरावट आई, जो दर कटौती के आंशिक असर को दिखाता है। वहीं, औसत MCLR में 45 बेसिस पॉइंट्स की गिरावट आई, जिससे पता चलता है कि बेंचमार्क उधार दरें ज्यादा ही धीमी गति से एडजस्ट की गई हैं। रेट कट का असर अलग-अलग तरह के बैंकों में अलग-अलग रहा। विदेशी बैंकों में उधार दरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखी गई, उसके बाद प्राइवेट सेक्टर के बैंकों और फिर सरकारी बैंकों का नंबर आया।

यह अंतर उन कर्जों के हिस्से से जुड़ा था जो बाहरी बेंचमार्क से जुड़े थे। रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि बाहरी बेंचमार्क उधार दरों (EBLR) से जुड़े कर्जों का ज्यादा हिस्सा होने से, खासकर रिटेल और एमएसएमई सेक्टर्स में, रेट कट का असर ज्यादा तेजी से हुआ। विदेशी बैंकों के लगभग 94 फीसदी कर्ज EBLR से जुड़े थे, उसके बाद प्राइवेट बैंकों के 89 प्रतिशत कर्ज EBLR से जुड़े थे, जबकि सरकारी बैंकों के लगभग 51 प्रतिशत कर्ज EBLR से जुड़े थे।

सभी सेक्टर में अलग अलग दिखा असर

सेक्टोरल वाइज देखें तो, रेट कट का असर काफी अलग-अलग रहा। सबसे ज्यादा लेंडिंग रेट्स बिना किसी गारंटी वाले रिटेल कर्जे में देखी गईं, जो 10.11 प्रतिशत थीं, उसके बाद एग्री लोन का नंबर आया, जो 9.81 प्रतिशत थीं। इसके विपरीत, सबसे कम दर रुपए में दिए जाने वाले एक्सपोर्ट लोन के लिए थी, जो 6.78 प्रतिशत थी।

रिटेल लोन में, हाउसिंग लोन की दरें 7.63 प्रतिशत के साथ अपेक्षाकृत कम थीं, जबकि वाहन और शिक्षा लोन की दरें 9 प्रतिशत से ऊपर थीं। रेट कट का असर एक्सपोर्ट क्रेडिट और एजुकेशन लोन जैसे सेगमेंट में सबसे ज्यादा देखने को मिला, जहां उधार देने की दरें 160 बेसिस पॉइंट से ज़्यादा कम हो गईं। MSME लोन और बिना किसी गारंटी वाले रिटेल लोन में भी काफी गिरावट देखी गई, जो रेपो रेट में कटौती के लगभग बराबर थी। इसके विपरीत, कृषि, प्रोफेशनल सर्विसेज और बड़े उद्योगों जैसे क्षेत्रों में बहुत कम कटौती हुई।

19 हजार करोड़ की सेविंग

रिपोर्ट का अनुमान है कि उधार लेने वालों को कम ब्याज लागत से फायदा हुआ, जिससे प्रमुख क्षेत्रों में कुल मिलाकर लगभग 19,000 करोड़ रुपए की बचत हुई। इस कटौती से हाउसिंग और MSME लोन को सबसे ज़्यादा फ़ायदा हुआ। ब्याज दर चक्र के स्थिर होने के करीब पहुंचने के साथ, निकट भविष्य में उधार देने की दरों में केवल मामूली बदलाव की उम्मीद है, जब तक कि नीति की दिशा पर और स्पष्टता न आ जाए।

महंगाई की मार : देश में पेट्रोल 3.14 और डीजल 3.11 रुपये प्रति लीटर महंगा, नई दरें आज से लागू

देशभर में शुक्रवार से पेट्रोल और डीजल के नए रेट जारी किए गए। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 3.14 रुपये प्रति लीटर बढ़ाकर 97.77 रुपये कर दी गई है, जबकि डीजल 3.11 रुपये महंगा होकर 90.67 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। इस बीच, मध्य पूर्व संकट के चलते तेल कंपनियों ने सीएनजी की कीमतों में भी बढ़ोतरी की है। शुक्रवार से सीएनजी की कीमत में 2 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि हुई है। दिल्ली में सीएनजी की नई दर 79.09 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है।

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल और गैस की सप्लाई प्रभावित होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों में लगातार तेजी बनी हुई है। इसका सीधा असर भारतीय तेल कंपनियों और आम उपभोक्ताओं पर पड़ा है। बढ़ती लागत और भारी नुकसान के बीच सरकारी तेल कंपनियों ने आखिरकार पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है।

सरकारी तेल कंपनियों इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम का कहना है कि महंगे क्रूड ऑयल की वजह से उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी पहले ही संकेत दे चुके थे कि तेल कंपनियों को रोजाना 1000 करोड़ रुपये से अधिक का घाटा हो रहा है। उनका कहना था कि यदि खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी नहीं की गई तो एक तिमाही में कंपनियों का कुल नुकसान 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है।

पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल के अनुसार, भारतीय बास्केट में कच्चे तेल की औसत कीमत पिछले तीन महीनों से 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई है। अप्रैल 2026 में यह औसत 114 डॉलर प्रति बैरल रही, जबकि मई में भी कीमत करीब 104 डॉलर प्रति बैरल दर्ज की गई है।

वहीं, इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते रविवार को संकट के मद्देनजर विदेशी मुद्रा बचाने के लिए ईंधन के विवेकपूर्ण उपयोग, सोने की खरीद और विदेश यात्राओं को स्थगित करने जैसे उपाय अपनाने की अपील की थी। इस बीच रुपये में भारी गिरावट दर्ज की गई है और यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95 रुपये प्रति डॉलर के स्तर को पार कर गया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में जारी अस्थिरता के चलते आने वाले दिनों में ईंधन की कीमतों में और उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में एक्साइज ड्यूटी, वैट, डीलर कमीशन और अन्य शुल्क जुड़ने के कारण उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। ऐसे में बढ़ती महंगाई के बीच ईंधन की कीमतों में इजाफा आम लोगों की जेब पर सीधा असर डालने वाला साबित होगा।

जिनपिंग भी चाहते हैं ईरान के पास न्यूक्लियर हथियार न हो... चीन दौरे के बाद ट्रंप का बड़ा दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन दौरे के बाद कहा है कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी मानते हैं कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए। ट्रंप ने यह भी कहा कि चीन चाहता है कि होर्मुज स्ट्रेट हमेशा खुला रहे, ताकि दुनिया में तेल और व्यापार की सप्लाई प्रभावित न हो। ट्रंप ने यह बयान चीन की तीन दिन की यात्रा के बाद एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान दिया।

ट्रंप ने बताया कि उनकी और शी जिनपिंग की बातचीत में ईरान, ताइवान, पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव और दूसरे बड़े अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। ट्रंप ने कहा कि शी जिनपिंग ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर बहुत सख्त राय रखी। उनके मुताबिक, चीनी राष्ट्रपति ने साफ कहा कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं मिलना चाहिए। ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों की इस मुद्दे पर अच्छी समझ बनी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि अमेरिका इस समय स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को कंट्रोल कर रहा है। ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान इस रास्ते को बंद करने की कोशिश करता है, तो अमेरिका उस पर दबाव बढ़ा सकता है। ट्रंप के मुताबिक, अमेरिकी नौसेना की कार्रवाई और नाकेबंदी की वजह से ईरान पिछले ढाई हफ्तों से सामान्य कारोबार नहीं कर पा रहा है। उन्होंने दावा किया कि इससे ईरान को हर दिन करीब 500 मिलियन डॉलर का नुकसान हो रहा है।

बातचीत में ताइवान का मुद्दा भी प्रमुख रहा। ट्रंप ने कहा कि शी जिनपिंग नहीं चाहते कि ताइवान में आजादी को लेकर कोई बड़ा आंदोलन या लड़ाई हो, क्योंकि इससे चीन और दूसरे देशों के बीच बड़ा टकराव हो सकता है। ट्रंप ने बताया कि उन्होंने जिनपिंग की बात ध्यान से सुनी, लेकिन इस मुद्दे पर अपनी तरफ से ज्यादा टिप्पणी नहीं की। हालांकि दोनों नेताओं के बीच ताइवान को लेकर काफी देर तक बातचीत हुई।

पत्रकारों ने ट्रंप से 1982 के उस पुराने अमेरिकी समझौते पर सवाल किया, जिसमें तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने कहा था कि अमेरिका ताइवान को हथियार बेचने के मामले में चीन से सलाह नहीं करेगा। इस पर ट्रंप ने कहा कि वह समझौता बहुत पुराना हो चुका है और आज की स्थिति अलग है। ट्रंप ने कहा कि जिनपिंग ने खुद ताइवान को हथियार बेचने का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि इस विषय पर दोनों नेताओं के बीच खुलकर चर्चा हुई और वह आगे इस मामले में फैसला लेंगे। ट्रंप ने आखिर में कहा कि दुनिया को इस समय 9500 मील दूर एक और युद्ध की जरूरत नहीं है और अमेरिका किसी बड़े संघर्ष से बचना चाहता है।

चीन से लौटे ट्रंप बोले- तेहरान परमाणु संपन्न नहीं बन सकता, जिनपिंग भी सहमत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी तीन दिनों की चीन यात्रा पूरी कर ली है। इस यात्रा के दौरान उन्होंने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत की। ट्रंप ने बताया कि दोनों देश इस बात पर एकमत हैं कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते।

चीन से रवाना होने के बाद, एयर फोर्स वन विमान में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि शी जिनपिंग भी यही चाहते हैं कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का रास्ता खुला रहे। ट्रंप ने दावा किया कि इस समुद्री रास्ते पर अमेरिका का नियंत्रण है। उन्होंने बताया कि पिछले ढाई हफ्तों से अमेरिका ने वहां नौसैनिक घेराबंदी कर रखी है। इस वजह से ईरान को हर दिन लगभग 50 करोड़ डॉलर का

भारी नुकसान हो रहा है। ट्रंप ने कहा, 'मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान है। ईरान के मुद्दे पर जिनपिंग का भी मानना है कि उनके पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते और वह चाहते हैं कि वे जलडमरूमध्य को खुला रखें।'

ताइवान के मुद्दे पर क्या बात हुई?

ताइवान के मुद्दे पर भी दोनों नेताओं के बीच लंबी चर्चा हुई। ट्रंप ने बताया कि शी जिनपिंग ताइवान की आजादी की किसी भी कोशिश के सख्त खिलाफ हैं। शी जिनपिंग का मानना है कि ऐसी कोशिशों से बड़ा टकराव पैदा हो सकता है, जिसे वह टालना चाहते हैं। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने शी जिनपिंग की बातों को ध्यान से सुना, हालांकि उन्होंने खुद इस पर कोई टिप्पणी नहीं की।

पत्रकारों ने ट्रंप से 1982 के उस समझौते के बारे में भी पूछा, जिसमें अमेरिका ने ताइवान को हथियार बेचने के मामले में चीन से सलाह न करने का भरोसा दिया था। इस पर ट्रंप ने कहा कि 1982 की बात अब बहुत पुरानी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि उन्होंने शी जिनपिंग के साथ ताइवान को हथियारों की बिक्री पर विस्तार से बात की है।

ट्रंप ने कहा कि वह इस मामले में जल्द ही कोई फैसला लेंगे। उन्होंने साफ किया कि वह अमेरिका से 9,500 मील दूर किसी भी युद्ध में शामिल नहीं होना चाहते। ट्रंप ने शी जिनपिंग की तारीफ करते हुए उन्हें एक बेहतरीन व्यक्ति बताया और कहा कि दोनों के बीच अब अच्छी समझ बन गई है। उन्होंने कहा कि उनका चीन प्रवास बहुत अच्छा रहा।

चीन यात्रा पर क्या बोले ट्रंप

चीन से वापस आने के बाद ट्रंप ने इस दौरे को एक बड़ी सफलता और शानदार अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि चीन के साथ कई बड़े और महत्वपूर्ण समझौते हुए। ट्रंप ने जोर देकर कहा कि अब दोनों देशों के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इस यात्रा के दौरान ऐसी बहुत सी चीजें हुई हैं, जिनके बारे में लोगों को जल्द ही पता चलेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी इस यात्रा को एक ऐतिहासिक पल करार दिया और इस पूरी यात्रा को लेकर अपनी खुशी जाहिर की।

ISIS का दूसरे नंबर का नेता ढेर, कौन था अबू-बिलाल जिसे अमेरिका ने नाइजीरिया में मार गिराया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने दावा किया है कि उसने ISIS के दूसरे सबसे बड़े नेता अबू-बिलाल अल-मिनुकी को नाइजीरिया में मार गिराया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस ऑपरेशन की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई अमेरिकी सेना और नाइजीरिया की सेना ने मिलकर की। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा कि उनके आदेश पर अमेरिकी सैनिकों और नाइजीरिया की सेना ने बहुत मुश्किल और सीक्रेट मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया।

ट्रंप के मुताबिक, अबू-बिलाल अल-मिनुकी अफ्रीका में छिपा हुआ था और उसे लगता था कि वह सुरक्षित है, लेकिन अमेरिकी एजेंसियों के पास उसकी हर गतिविधि की जानकारी थी। ट्रंप ने कहा कि अल-मिनुकी दुनिया के सबसे सक्रिय आतंकियों में से एक था। उन्होंने दावा किया कि अब उसकी मौत के बाद वह अफ्रीका के लोगों में डर नहीं फैला पाएगा और न ही अमेरिकियों को निशाना बनाने की साजिश कर सकेगा। ट्रंप ने कहा कि इस ऑपरेशन से ISIS के वैश्विक नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। उन्होंने मिशन में सहयोग के लिए नाइजीरिया सरकार का धन्यवाद भी किया। अबू-बिलाल अल-मिनुकी को ISIS का वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा नेता माना जाता था। उसका दूसरा नाम अबू बक्र इब्न मोहम्मद इब्न अली अल-मैनुकी भी बताया जाता है। वह लंबे समय से अफ्रीका के साहेल इलाके में सक्रिय था। साहेल अफ्रीका का बहुत बड़ा इलाका है, जो अटलांटिक महासागर से लेकर लाल सागर तक फैला हुआ है। यह इलाका सहारा रेगिस्तान और दक्षिणी अफ्रीका के हरियाले हिस्सों के बीच पड़ता है। इसमें सेनेगल, मॉरिटानिया, माली, बुर्किना फासो, नाइजर, नाइजीरिया, चाड और सूडान जैसे देश शामिल हैं।

ISIS के पश्चिम अफ्रीकी संगठन का कमांडर था

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अल-मिनुकी ISIS के पश्चिम अफ्रीका वाले संगठन ISWAP यानी इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस का बड़ा कमांडर था। वह लेक चाड इलाके में ISIS के कई ऑपरेशन संभालता था। माना जाता है कि वह अलग-अलग आतंकी समूहों तक पैसे, हथियार और जरूरी निर्देश पहुंचाने का काम करता था।

3 साल पहले ग्लोबल आतंकी लिस्ट में आया

अमेरिका लंबे समय से उसे बड़ा आतंकी खतरा मानता था। जून 2023 में अमेरिकी विदेश विभाग ने उसे स्पेशली डिजिग्नेटेड ग्लोबल टेररिस्ट घोषित किया था। इसका मतलब है कि अमेरिका उसे दुनिया के सबसे खतरनाक आतंकियों में शामिल मानता था। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, अल-मिनुकी की मौत ISIS के लिए बड़ा झटका है। पिछले कुछ सालों में अफ्रीका में ISIS और उससे जुड़े आतंकी संगठनों की गतिविधियां तेजी से बढ़ी थीं। नाइजीरिया और आसपास के इलाकों में ये संगठन लगातार हमले कर रहे थे।

जिनपिंग भी चाहते हैं ईरान के पास न्यूक्लियर हथियार न हो... चीन दौरे के बाद ट्रंप का बड़ा दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन दौरे के बाद कहा है कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी मानते हैं कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए। ट्रंप ने यह भी कहा कि चीन चाहता है कि होर्मुज स्ट्रेट हमेशा खुला रहे, ताकि दुनिया में तेल और व्यापार की सप्लाई प्रभावित न हो। ट्रंप ने यह बयान चीन की तीन दिन की यात्रा के बाद एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान दिया। ट्रंप ने बताया कि उनकी और शी जिनपिंग की बातचीत में ईरान, ताइवान, पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव और दूसरे बड़े अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। ट्रंप ने कहा कि शी जिनपिंग ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर बहुत सख्त राय रखी। उनके मुताबिक, चीनी राष्ट्रपति ने साफ कहा कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं मिलना चाहिए। ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों की इस मुद्दे पर अच्छी समझ बनी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि अमेरिका इस समय स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को कंट्रोल कर रहा है। ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान इस रास्ते को बंद करने की कोशिश करता है, तो अमेरिका उस पर दबाव बढ़ा सकता है। ट्रंप के मुताबिक, अमेरिकी नौसेना की कार्रवाई और नाकेबंदी की वजह से ईरान पिछले ढाई हफ्तों से सामान्य कारोबार नहीं कर पा रहा है। उन्होंने दावा किया कि इससे ईरान को हर दिन करीब 500 मिलियन डॉलर का नुकसान हो रहा है।

ताइवान मामले पर भी हुई बात

बातचीत में ताइवान का मुद्दा भी प्रमुख रहा। ट्रंप ने कहा कि शी जिनपिंग नहीं चाहते कि ताइवान में आजादी को लेकर कोई बड़ा आंदोलन या लड़ाई हो, क्योंकि इससे चीन और दूसरे देशों के बीच बड़ा टकराव हो सकता है। ट्रंप ने बताया कि उन्होंने जिनपिंग की बात ध्यान से सुनी, लेकिन इस मुद्दे पर अपनी तरफ से ज्यादा टिप्पणी नहीं की। हालांकि दोनों नेताओं के बीच ताइवान को लेकर काफी देर तक बातचीत हुई।

एक और युद्ध की जरूरत नहीं: ट्रंप

पत्रकारों ने ट्रंप से 1982 के उस पुराने अमेरिकी समझौते पर सवाल किया, जिसमें तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने कहा था कि अमेरिका ताइवान को हथियार बेचने के मामले में चीन से सलाह नहीं करेगा। इस पर ट्रंप ने कहा कि वह समझौता बहुत पुराना हो चुका है और आज की स्थिति अलग है। ट्रंप ने कहा कि जिनपिंग ने खुद ताइवान को हथियार बेचने का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि इस विषय पर दोनों नेताओं के बीच खुलकर चर्चा हुई और वह आगे इस मामले में फैसला लेंगे।

कोचिंग को हिट कराने के लिए कुलकर्णी ने लीक कराया पेपर, कैसे एक स्टूडेंट ने पूरे प्लान पर फेर दिया पानी?

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट का पेपर लीक पर सीबीआई की तरफ से जांच की जा रही है। CBI के सूत्रों के मुताबिक, NEET-UG 2026 परीक्षा में हुए पेपर लीक कोई ऑर्गनाइज्ड सिंडिकेट का हिस्सा नहीं थां बल्कि ये केमिस्ट्री लेक्चरर पीवी कुलकर्णी ने अपने कोचिंग सेंटर को सुपरहिट करने के लिए जानबूझकर किया। उसने अपने स्टूडेंट को अपनी सहयोगी मनीषा वाघमरे के जरिए पुणे में अपने घर पर स्पेशल कोचिंग क्लास चलाई। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक, पीवी कुलकर्णी ने इन क्लासेज में छात्रों को परीक्षा में आने वाले सवाल, उनके विकल्प और सवालों के सही जवाब विस्तार से बताए थे। इसके बदले में पीवी कुलकर्णी ने छात्रों से मोटी फीस ली थी। लेकिन, उन छात्रों में से एक शरारती बच्चे ने पीवी कुलकर्णी के पूरे प्लान पर पानी फेर दिया।

शरारती बच्चे ने खोली NEET पेपर लीक की पोल

पैसों और अपने कोचिंग के लालच की वजह से पीवी कुलकर्णी के एक छात्र ने अपने पैसों के नुकसान की भरपाई करने के लिए उस लीक किए गए NEET के उस गेस पेपर को सोशल मीडिया के जरिए ऐसे लोगों को भेजा, जो कोचिंग क्लास चलाते थे। सीबीआई के मुताबिक, यहीं से पेपर सेंकडो लोगों तक पहुंच गया था। कुछ लोगों ने उस पेपर को गंभीरता से लिया जबकि ज्यादातर छात्रों ने उसे इतना गंभीरता से नहीं लिया। लेकिन, पेपर लीक होने का शक लोगों को तब हुआ जब छात्रों द्वारा नोटबुक में लिखे गए सवाल बाद में 3 मई 2026 को हुई NEET-UG परीक्षा के असली सवाल से पूरी तरह मेल खाते पाए गए।

सीबीआई को सौंपी गई थी जांच

CBI के सूत्रों के बताया कि कुलकर्णी मूल रूप से लातूर जिले का रहने वाला है और उसे पुणे में काम किया करता था। लंबी पूछताछ के बाद पीवी कुलकर्णी को गिरफ्तार किया गया। इससे पहले सीबीआई ने सच जानने के लिए कई राज्यों में स्पेशल टीम के जरिए छापेमारी की।

कई राज्यों में चली छापेमारी

पिछले 24 घंटों में CBI ने देशभर में कई जगहों पर छापेमारी की। इस दौरान एजेंसी ने आरोपियों के मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स और कई अहम दस्तावेज जब्त किए हैं। जिसमें, फोरेंसिक और टेक्निकल जांच शामलि है। इसे जांच के लिए CFSL भेज दिया गया। अब इनका फोरेंसिक और तकनीकी विश्लेषण किया जा रहा है।

क्या था पूरा मामला?

दरअसल, ये मामला 12 मई 2026 को दर्ज किया गया था, जब शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग ने NEET-UG 2026 पेपर लीक को लेकर शिकायत दी थी। केस दर्ज होते ही CBI ने विशेष टीमें बनाकर देशभर में जांच शुरू की।

अब तक 8 आरोपी गिरफ्तार

CBI अब तक इस मामले में 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। गिरफ्तारियां जयपुर, गुरुग्राम, नासिक और अहमदाबाद से हुई हैं। गिरफ्तार आरोपियों को 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा जा चुका है। जबकि दो अन्य आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली लाया जा रहा है।

सीबीआई सूत्रों का कहना है, कि अब तक की जांच में केमिस्ट्री पेपर लीक के असली सोर्स और छात्रों को जोड़ने वाले बिचौलियों की पहचान हो चुकी है। एजेंसी के मुताबिक, कई छात्रों से इन 'स्पेशल क्लासेस' में शामिल होने के बदले लाखों रुपये वसूले गए थे। फिलहाल, सीबीआई ने अब इस केस की फाइनेंशियल इन्वेस्टीगेशन भी शुरू कर दी है ताकि इस NEET पेपर लीक मामले में मनी ट्रेल का पता लगाया जा सके।

गिग वर्कर्स की आज 5 घंटे की हड़ताल, पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी से हैं नाराज

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने हाल ही में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में इजाफा किया है, जिसको लेकर लोगों में काफी नाराजगी है। इस बीच गिग वर्कर्स ने शनिवार (16 मई) को अस्थायी राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। इसके तहत देशभर में ऐप आधारित टैक्सी ड्राइवरों और डिलीवरी वर्कर्स से ईंधन की बढ़ती कीमतों और कम भुगतान दरों के विरोध में दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक सेवाएं बंद करने को कहा गया है। गिग और प्लेटफॉर्म सर्विसेज वर्कर्स यूनियन (GIPSWU) ने श्रमिकों से इस बंद में शामिल होने की अपील की है। यूनियन का कहना है कि लगातार बढ़ती पेट्रोल-डीजल की कीमतों और कम भुगतान दरों की वजह से हजारों ड्राइवरों और डिलीवरी पार्टनर्स के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

यूनियन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट करते हुए कहा 'GIPSWU देश भर के गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स से अपील करता है कि वो ईंधन की बढ़ती कीमतों और अपर्याप्त भुगतान दरों के विरोध में दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक ऐप-आधारित सेवाओं का अस्थायी रूप से बंद रखें'। यूनियन का कहना है कि ऐप कंपनियां किराए और इंसेंटिव में पर्याप्त बढ़ोतरी नहीं कर रही हैं, जबकि ड्राइवरों का खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है।

यह विरोध प्रदर्शन तेल कंपनियों द्वारा ईंधन की कीमतों में लगभग 3 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि के विरोध में हो रहा है। हाल ही में सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में करीब 3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। इसके बाद दिल्ली में पेट्रोल की कीमत लगभग 97।77 रुपए प्रति लीटर और डीजल 90।67 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गया है। वहीं हैदराबाद में पेट्रोल की कीमत 110।8 रुपए प्रति लीटर और डीजल 98।9 रुपये प्रति लीटर हो गया है। बताया जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित होने और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जारी तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर करीब 105 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच चुका है। ऐप आधारित कैब ड्राइवर मोहम्मद ने कहा कि हर बार जब पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ते हैं, तो उनका खर्च तुरंत बढ़ जाता है लेकिन किराए में उसी हिसाब के बढ़ोतरी नहीं हो पाती। उन्होंने कहा कि कमीशन और ईंधन का खर्च निकालने के बाद बहुत कम पैसा बचता है। कई बार घर चलाना भी मुश्किल हो जाता है। वहीं कई ड्राइवरों और डिलीवरी वर्कर्स का कहना है कि उनका अधिकांश समय सड़क पर गुजरता है, इसलिए ईंधन की बढ़ी कीमतें सीधे उनकी कमाई को प्रभावित करती हैं। उनका कहना है कि ईंधन की लागत उनकी कमाई का एक बड़ा हिस्सा ले लेगी, जबकि ऐप कंपनियों ने बढ़ते खर्च के अनुरूप किराए में पर्याप्त वृद्धि नहीं की है।

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने शुक्रवार (15 मई) को ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की, जिसके चलते महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 3 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि हुई। वहीं, पाइपलाइन से आने वाली रसोई गैस की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। तेल कंपनियों के अधिकारियों ने कहा कि ईंधन की कीमतों में और बढ़ोतरी भविष्य में हो सकती है, लेकिन यह सरकार की मंजूरी और इस बात पर निर्भर करेगा कि बढ़ोतरी कब और कितनी की जाए।

रणवीर सिंह बने बॉक्स ऑफिस के असली धुरंधर, वर्ल्डवाइड ये आंकड़ा पार करने वाले बने पहले स्टार, शाहरुख-प्रभास को पछाड़ा

'धुरंधरÓ फ्रेंचाइजी ने रणवीर सिंह की किस्मत ही बदल कर रख दी है और उन्हें बॉलीवुड का सबसे बड़ा स्टार बना दिया है. इस फ्रेंचाइजी ने न केवल उन्हें जबरदस्त पॉपुलैरिटी दिलाई है बल्कि उनकी अदाकारी को भी एक नया मुकाम दिया है. यूं तो उनके टैलेंट और एनर्जी की हमेशा तारीफ हुई लेकिन कोविड के बाद का दौर उनके लिए मुश्किलों और निराशा से भरा रहा था.

हालांकि रॉकी और रानी की प्रेम कहानी बॉक्स ऑफिस पर सफल तो रही थी, लेकिन ये ब्लॉकबस्टर नहीं बन पाई. फिर उन्होंने धुरंधर से धमाकेदार कमबैक किया और धुरंधर 2 के साथ बॉक्स ऑफिस पर नई ऊंचाइयों को छुआ. इसी के साथ रणवीर सिंह ने ऐसा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है जो कोई एक्टर नही कर पाया है.

रणवीर सिंह ने कोविड-19 के बाद के दौर में ऐसा कमाल कर दिखाया है जो अब तक तो एक्टर नहीं कर पाया. दरअसल उनकी अब तक छह फिल्मे रिलीज हो चुकी हैं जिनमें सबसे पहले 83 आई, जिसने वर्ल्डवाइड 184.36 करोड़ की कमाई की थी. इसके बाद जयेशभाई जोरदार आई, जिसने 24.1 करोड़ की कमाई की. वहीं सर्कस ने 39.6 करोड़ का कलेक्शन किया, जबकि रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की दुनियाभर में कमाई 348.89 करोड़ रुपये रही थी.

साल 2025 में धुरंधर के साथ हालात पूरी तरह बदल गए.

इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड 1354.84 करोड़ रुपये की भारी कमाई की. इसके बाद रणवीर सिंह की छठी फिल्म, धुरंधर 2 आई और इसने तो सिनेमाघरों में ऐसा तहलका मचाया कि हर कोई हैरान रह गया. 55 दिनों से थिएटर में चल रही धुरंधर ने कोईमोई के आंकड़ों के मुताबिक दुनियाभर में 1833.56 करोड़ रुपये की जबरदस्त कमाई कर डाली है.

कुल मिलाकर, रणवीर सिंह ने कोविड के बाद रिलीज हुई अपनी छह फिल्मों के साथ दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 3700 करोड़ का आंकड़ा आसानी से पार कर लिया है, और उनकी फिल्मों का कुल कलेक्शन चौंका देने वाला 3785.35 करोड़ रुपये हो गया है.

कुल 3785.35 करोड़ रुपये की कमाई के साथ, रणवीर सिंह कोविड-बाद के दौर में वर्ल्डवाइड 3700 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाले पहले भारतीय मेल स्टार (मुख्य भूमिका में) बन गए हैं. उन्होंने शाहरुख खान और प्रभास को बड़े अंतर से पीछे छोड़ दिया है. आपको बता दें कि शाहरुख खान की कोविड-बाद की फिल्मों की कुल कमाई 2704.07 करोड़ रुपये है, जबकि प्रभास ने 2393.29 करोड़ रुपये कमाए हैं. अपनी अगली फिल्म के साथ, रणवीर यकीनन 4000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने का टारगेट सेट करेंगे.

'गर्व का पल है, कमियां ढूंढने का नहीं', कान फिल्म फेस्टिवल में ट्रोलिंग पर आलिया के समर्थन में उतरे सोनू सूद

आलिया भट्ट ने 79वें कान फिल्म फेस्टिवल में अपने अलग-अलग लुक्स से काफी चर्चाएं बटोरीं। उनके अधिकांश लुक्स को पसंद किया गया। लेकिन इस दौरान आलिया भट्ट के एक वायरल वीडियो को लेकर नेटिजंस ने सवाल भी उठाए। सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने ऐसा दावा किया कि रेड कार्पेट पर आलिया को एक लुक के दौरान इंटरनेशनल मीडिया द्वारा नजरअंदाज किया गया। अब इस मामले में अभिनेता सोनू सूद आलिया के समर्थन में उतरे हैं।

सोनू सूद ने आज शुक्रवार को एक्स पर एक पोस्ट साझा की। इस पोस्ट में उन्होंने लोगों से इंटरनेशनल मंचों पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने वालों का समर्थन करने की अपील की। हालांकि, सोनू सूद ने अपनी पोस्ट में सीधे तौर पर आलिया भट्ट का नाम नहीं लिया।

अभिनेता ने लिखा, 'जब हमारे देश का कोई व्यक्ति अंतरराष्ट्रीय मंच पर कदम रखता है, तो यह गर्व का पल होना चाहिए, न कि कमियां ढूंढने का कारण। हर उपलब्धि को सार्थक होने के लिए कैमरों, सुर्खियों या अजनबियों से मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होती है।

वहां खड़े होने, अपनी कला का प्रेजेंट करने और गर्व के साथ अपने सफर को आगे बढ़ाने की हिम्मत अपने आप में एक उपलब्धि है। ट्रोलिंग की आदी इस दुनिया में प्रोत्साहन का रास्ता चुनें। क्योंकि जो लोग अपने सपनों को साकार करने में लगे हैं, उनके पास दूसरों को नीचा दिखाने का समय नहीं होता। आगे बढ़ती रहो और तरक्की करती रहो मेरी दोस्त। सही लोगों ने तुम्हारी प्रतिभा को पहचान लिया है।'

अली गोनी ने भी किया आलिया का समर्थन

इससे पहले अभिनेता अली गोनी ने भी आलिया का बचाव करते हुए ट्रोलर्स की आलोचना की थी। इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में अली ने लिखा, 'यह दुखद है जब हमारे ही लोग किसी ऐसे व्यक्ति को नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं, जिसने भारत को वैश्विक मंच पर लाने के लिए इतनी मेहनत की है। आलिया भट्ट ने उन ऊंचाइयों को छुआ है, जिनका कई लोग सिर्फ सपना देखते हैं। उन्होंने कान में हमारे देश का प्रतिनिधित्व गरिमा और गर्व के साथ किया।'

आलिया ने दिया ट्रोलर को जवाब

इस बीच आलिया भट्ट ने खुद भी सोशल मीडिया पर एक ट्रोलर को सीधे जवाब दिया। उन्होंने कान फिल्म फेस्टिवल में पहनी अपनी आइवरी सिल्क साड़ी-गाउन की एक वीडियो शेयर की। आलिया की इस पोस्ट एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'कितनी अफसोस की बात है, किसी ने आपको नोटिस नहीं किया।'

इस कमेंट पर आलिया ने यूजर को शानदान जवाब दिया। एक्ट्रेस ने लिखा, 'क्यों अफसोस की बात है? आपने मुझे नोटिस किया।' आलिया का ये रिप्लाय तुरंत ही वायरल हो गया।

केजीएफ के मेकर्स होम्बले फिल्म्स का बड़ा कदम, पेड्डी के साथ पहली बार ओवरसीज डिस्ट्रीब्यूशन में की एंट्री

बिग प्रोडक्शन हाउस में से एक होम्बले फिल्म्स ने हाल ही में अपने ओवरसीज डिस्ट्रीब्यूशन स्पेस में विस्तार की घोषणा की थी और अब पेड्डी इस प्रतिष्ठित बैनर का पहला इंटरनेशनल डिस्ट्रीब्यूशन प्रोजेक्ट बन गया है, जिसमें मेगा पावरस्टार राम चरण लीड रोल में हैं।

केजीएफ, कांतारा और सालार जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के साथ भारतीय सिनेमा के पैमाने को नया रूप देने के बाद होम्बले फिल्म्स ने अब इंटरनेशनल डिस्ट्रीब्यूशन की दिशा में बड़ा कदम उठाया है और 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित पैन-इंडिया फिल्मों में से एक पेड्डी के साथ इसकी शुरुआत की है।

सालों से होम्बले फिल्म्स ऐसी फिल्मों के लिए जाना जाता है जो मजबूत कहानी और बड़े थिएट्रिकल अपील का शानदार मेल होती हैं। उनकी फिल्मों ने भाषा और क्षेत्र की सीमाओं से आगे बढ़कर भारत के साथ-साथ ग्लोबल ऑडियंस में भी अपनी खास पहचान बनाई है।

पेड्डी के साथ होम्बले फिल्म्स अब अपने इंटरनेशनल नेटवर्क को और मजबूत कर रहा है और यह बैनर का पहला ऑफिशियल ओवरसीज डिस्ट्रीब्यूशन अधिग्रहण माना जा रहा है। इस कदम को फिल्म की वर्ल्डवाइड रिलीज के लिए बड़ा सपोर्ट माना जा रहा है।

बुची बाबू साना के निर्देशन में बनी पेड्डी को इसके दमदार एक्शन बैकड्रॉप, शानदार विजुअल्स और राम चरण के इंटेंस ट्रांसफॉर्मेशन के लिए जबरदस्त चर्चा मिल रही है। वहीं इस प्रोजेक्ट को और खास बनाता है ए। आर। रहमान का म्यूजिक, जो फिल्म को एक अलग लेवल पर ले जाता है।

होम्बले फिल्म्स के साथ पेड्डी की यह साझेदारी ट्रेड और फैन सर्कल्स में एक्साइटमेंट को और बढ़ा रही है, और उम्मीद की जा रही है कि फिल्म को बड़े पैमाने पर इंटरनेशनल रिलीज मिलेगी। पेड्डी 4 जून को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

2025 में रिलीज हुई फिल्मों में होम्बले फिल्म्स ने कांतारा: चैप्टर 1 जैसी बड़ी हिट दी, जो साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में शामिल रही, और महावतार नरसिम्हा को भी प्रेजेंट किया। इन दोनों फिल्मों को ऑस्कर के जनरल एंट्री लिस्ट में जगह मिली, जिससे ये दुनिया की लगभग 200+ फिल्मों में शामिल हो गईं जो अलग-अलग कैटेगरीज में नॉमिनेशन के लिए एलिजिबल हैं।

प्रोडक्शन हाउस के पास आने वाले समय में भी कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं, जिनमें सालार 2, ऋतिक रोशन के साथ फिल्म, केजीएफ 3 और कई अन्य बड़े प्रोजेक्ट्स शामिल हैं।

ओवरसीज डिस्ट्रीब्यूशन में एंट्री के साथ होम्बले फिल्म्स अब भारतीय सिनेमा को ग्लोबल लेवल पर और आगे ले जाने की दिशा में बड़ा कदम उठा रहा है, जिससे फिल्मों को दुनिया के हर कोने तक पहुंचाया जा सके।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com